RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः210, गुरुवार, 7 अगस्त 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बिहार में अंतर्राष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक को दी श्रद्धांजलि 03

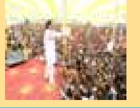
'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत बेगूसराय आए प्रशांत किशोर, नावकोठी के एपीएस हाई ... 04

प्रिटी वुमन अंकिता लोखंडे का पिंक सूट में स्टाइलिस अंदाज 07

बिहार में खतरे के निशान से ऊपर बह रहीं गंगा समेत सभी प्रमुख नदियां

एजेंसी, पटना

बिहार में इन दिनों गंगा समेत सभी नदियां उफान पर हैं। बक्सर से लेकर पटना, भागलपुर और समस्तीपुर तक नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को पार जा चुका है। इससे कई इलाकों में पानी अब घरों में घुसने लगा है। मौसम विभाग ने पटना में आगामी 24 घंटों के लिए मानसून सक्रिय रहने का अनुमान जताया है। साथ ही राज्य के 19 जिलों में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

लगातार हो रही बारिश से बक्सर में गंगा नदी बुधवार सुबह 6:00 बजे खतरे के स्तर 60.32 मीटर से 0.53 मीटर ऊपर और अपने पिछले उच्च जल स्तर स्तर 62.09 मीटर (01-08-1948) से 1.24 मीटर नीचे है। इसी तरह पटना जिले के दानापुर में गंगा नदी सुबह 6:00 बजे 51.92 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो इसके खतरे के स्तर 51.2 मीटर से 0.72 मीटर ऊपर और अपने पिछले उच्च जल स्तर 52.61 मीटर (15-08-2021) से 0.69 मीटर नीचे है।

पटना जिले के ही दीघाघाट में गंगा नदी आज सुबह 6 बजे 51.1 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो अपने खतरे के स्तर 50.45 मीटर से 0.65 मीटर ऊपर और अपने पिछले उच्च जल स्तर 52.52 मीटर (23-08-1975) से 1.42 मीटर नीचे है। पटना जिले के गांधीघाट में गंगा नदी आज सुबह 6:00 बजे 49.87 मीटर के स्तर पर बह रही थी और इसमें वृद्धि 10.0 मिमी/घंटा की प्रवृत्ति है, जो इसके खतरे के स्तर 48.6 मीटर से 1.27 मीटर ऊपर और इसके पिछले उच्च जल स्तर 50.52 मीटर (21-08-2016) से 0.65 मीटर नीचे है। पटना जिले के हाथीदह में गंगा

नदी आज सुबह 6:00 बजे 42.74 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो इसके खतरे के स्तर 41.76 मीटर से 0.98 मीटर ऊपर और अपने पिछले उच्च जल स्तर (एचएफएल) 43.52 मीटर (16-08-2021) से 0.78 मीटर नीचे है। भोजपुर जिले के मौजमपुर में गंगा नदी आज सुबह 06:00 बजे 54.67 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो इसके खतरे के स्तर 54.496 मीटर से 0.17 मीटर ऊपर और इसके पिछले जल स्तर स्तर 55.5 मीटर (23-09-2019) से 0.83 मीटर नीचे है।

भागलपुर जिले के कहलगांव में गंगा नदी सुबह 6:00 बजे 31.78 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो इसके खतरे के स्तर 31.09 मीटर से 0.69 मीटर ऊपर और इसके पिछले जल स्तर स्तर 32.87 मीटर (17-09-2003) से 1.09 मीटर नीचे है। जिले के एकचारी में गंगा नदी आज सुबह 6:00 बजे 32.59 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो इसके खतरे के स्तर 32.23 मीटर से 0.36 मीटर ऊपर और इसके पिछले उच्च जल स्तर 33.36 मीटर (01-10-2019) से 0.77 मीटर नीचे है। समस्तीपुर जिले के मोहउद्दीन नगर में गंगा बेसिन में बाया नदी आज सुबह 06:00 बजे 43.54 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो इसके खतरे के स्तर 43.47 मीटर से 0.07 मीटर ऊपर और इसके पिछले उच्च जल स्तर 44.97 मीटर (24-04-2021) से 1.43 मीटर नीचे है। खगड़िया जिले के खगड़िया में गंगा बेसिन में बूढ़ी गंडक नदी आज सुबह 6:00 बजे 37.54 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो इसके खतरे के स्तर 36.58 मीटर से 0.96 मीटर ऊपर और इसके पिछले उच्च जल स्तर (एचएफएल) 39.22 मीटर (16-08-1976) से 1.68 मीटर नीचे है। वैशाली जिले के लालगंज में गंगा बेसिन में गंडक नदी आज सुबह 06:00 बजे 51.2 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो इसके खतरे के स्तर 50.5 मीटर से 0.70 मीटर ऊपर और इसके पिछले उच्च जल स्तर 52.12 मीटर (02-10-2024) से 0.92 मीटर नीचे है। बिहार में गंगा और अन्य नदियों के बढ़ते जलस्तर को लेकर लेकर विभागिय मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि जल संसाधन विभाग और बिहार सरकार बाढ़ नियंत्रण को लेकर हर स्तर पर सजग और सतर्क है।

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में ईडी का बड़ा एक्शन, कर दी ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली : देश में बढ़ते साइबर फ्रॉड के मामलों को लेकर ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सीबीआई और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई है। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बिटकॉइन के रूप में कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में जमा की। इस राशि को बाद में यूएई में कई हवाला ऑपरेटरों और व्यक्तियों के जरिए यूएसडीटी में बदलकर नकदी में परिवर्तित किया गया।

कैलाश मानसरोवर यात्रा रोकी, 413 तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

किन्नौर : उत्तरकाशी में तबाही के बाद अब हिमाचल प्रदेश में बुधवार को किन्नौर जिले के तंगलिंग क्षेत्र में भी बादल फट गए और यहां भी बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। इसका एक भयावह वीडियो सामने आया है जिसमें पहाड़ से चट्टानें और मलबा तेजी से बहते हुए सड़क पर गिरता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस आपदा का सबसे बड़ा असर कैलाश मानसरोवर यात्रा रूट पर पड़ा है। बाढ़ से दो पुल बह गए और बाकी मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिसके चलते यात्रा को रोक दिया गया है। कई श्रद्धालु मार्ग में फंसे हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीम ने जिपलाइन के ज़रिए 413 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

संसद शुरू होने से पहले टीएमसी का प्रदर्शन

नई दिल्ली : संसद के चालू मानसून सत्र के तीसरे सप्ताह के तीसरे दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने संसद परिसर में हाथों में स्टॉप इंसल्टिंग बंगाल लिखे पोस्टर और प्लेकार्ड लेकर प्रदर्शन किया। टीएमसी सांसदों ने केंद्र सरकार पर बंगाल को बार-बार अपमानित करने का आरोप लगाते हुए यह विरोध दर्ज कराया। सांसदों का कहना था कि राज्य के प्रति केंद्र की नीतियां और वक्तव्य भेदभावपूर्ण हैं और इससे बंगाल की छवि को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इससे पहले भी टीएमसी कई मुद्दों पर संसद और बाहर विरोध दर्ज कराती रही है, लेकिन आज का प्रदर्शन विशेष रूप से बंगाल की अस्मिता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रहा।

अमेरिका ने भारत पर लगाया कुल 50 प्रतिशत टैरिफ

रूसी तेल खरीदने से चिढ़कर थोपा 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स

एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत पर टैरिफ बम फोडऩे की घोषणा की है. बुधवार शाम को ट्रंप की तरफ से भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का कार्यकारी आदेश साइन किया गया है. अमेरिका की तरफ से कहा गया कि यह फैसला भारत द्वारा रूसी तेल की लगातार खरीद के जवाब में लिया गया है. इसके साथ ही भारत पर अमेरिका ने कुल 50 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा कर दी है. यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को 25 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान किया था। ट्रम्प ने रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया है। उन्होंने एक दिन पहले कहा था भारत रूसी तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध जारी रखने में रूस की मदद कर रहा है। इस वजह से अमेरिका भारत पर एक्शन लेगा। ट्रम्प

ने बुधवार के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में लिखा है कि भारत सरकार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से रूस से तेल आयात कर रही है। ऐसे में अमेरिका में दाखिल होने वाले भारत के सामानों पर 25 प्रतिशत का एक्स्ट्रा टैरिफ लागू होगा। यह शुल्क 21 दिन बाद से लागू होगी। हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इस टैरिफ से छूट भी दी जाएगी जैसे कि यदि कोई सामान पहले ही समुद्र में लद चुका है और रास्ते में है, या यदि वह कुछ खास तारीख से पहले अमेरिका में पहुंच चुका है। इससे पहले मार्च 2022 में अमेरिका ने एक आदेश जारी कर रूसी तेल और उससे जुड़े उत्पादों के अपने देश में आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। अब ट्रम्प प्रशासन ने यह पाया कि भारत उस रूसी तेल को खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है। इस वजह से अब अमेरिका ने भारत पर यह नया टैरिफ लगाने का फैसला किया है। अप्रैल 2025 में जारी एक और आदेश में कुछ खास उत्पादों को पहले ही टैरिफ से छूट दे दी गई थी वे छूट अब भी जारी रहेंगी। इन सामानों में सेमीकंडक्टर्स, स्मार्टफोन, कंप्यूटर, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोटिव पार्ट्स, तांबा और अन्य धातु व खनिज शामिल हैं। इसका मतलब है कि भारत से होने वाले इन सामानों के भेजे जाने पर अब भी एक्स्ट्रा टैरिफ लागू नहीं होगा। इस आदेश में यह भी बताया गया है कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति इसमें संशोधन कर सकते हैं, यानी टैरिफ की दर बदल सकते हैं या और नए प्रावधान जोड़ सकते हैं। ट्रम्प ने मंगलवार को ही भारत के फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स पर 250 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वे शुरू में फार्मास्युटिकल्स पर छोटा टैरिफ लगाएंगे, लेकिन फिर इसे एक से डेढ़ साल में बढ़ाकर 150 प्रतिशत और फिर 250 प्रतिशत कर देंगे।

ट्रम्प की 'धमकी' का पीएम मोदी खुलकर जवाब क्यों नहीं दे रहेः राहुल गांधी

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत को धमका रहे हैं, लेकिन पीएम मोदी उनके सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ट्रम्प के खिलाफ सख्त रुख नहीं अपना पा रहे क्योंकि अडानी के खिलाफ अमेरिका में जांच चल रही है और मोदी-अडानी-अंबानी (एए) के संबंध अब जगजाहिर हैं। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रम्प ने हाल ही में भारत पर व्यापार संबंधी आरोप लगाते हुए टैरिफ बढ़ाने की बात कही है। राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों की पृष्ठभूमि में पिछले साल अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस द्वारा अडानी ग्रुप समेत आठ लोगों पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए थे। आरोप पत्र में कहा गया था कि भारत में रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को कथित तौर पर रिश्वत दी गई थी। इन आरोपों की अमेरिका में जांच चल रही है। राहुल गांधी ने यह भी पूछा कि यदि पीएम मोदी सही में मजबूत नेतृत्व कर रहे हैं, तो वे ट्रम्प के 'टैरिफ की धमकी' का खुलकर जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं।

वोटर लिस्ट से नाम काटना हो तो पहले मेरे शव पर से गुजरना होगा : ममता बनर्जी

- झाड़ग्राम में आयोजित पदयात्रा के बाद मुख्यमंत्री ने एसआईआर को लेकर भाजपा पर बोला हमला

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को झाड़ग्राम में आयोजित पदयात्रा के बाद भाषा आंदोलन मंच से विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला और इसे राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि अगर किसी का नाम मतदाता सूची से हटाना है तो पहले उनके शव के ऊपर से गुजरना होगा। ममता बनर्जी ने बुधवार को जनसभा में स्पष्ट कहा, एनआरसी मानती नहीं हूं और मानूंगी भी नहीं। नाम काटने की साजिश हो रही है, लेकिन मैं इसे कभी स्वीकार नहीं करूंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एसआईआर के नाम पर बंगाल में एनआरसी लागू करने की योजना बना रही है, जिससे लाखों लोगों के अधिकार खतरे में पड़ सकते हैं। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में वह बंगाली अस्मिता को मुख्य मुद्दा बनाएंगी। उन्होंने सिदू-कान्हू की धरती से जनता को संबोधित करते हुए राजनीतिक मतभेद भूलकर एकजुट होने का आह्वान किया। ममता ने कहा, राजनीतिक मतभेद भुला दें, अपने घर और अपनी पहचान की रक्षा आपको खुद करनी होगी। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर बंगला भाषा और संस्कृति पर 'हमला' करने का आरोप लगाते हुए सवाल किया, रवींद्रनाथ ठाकुर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद और ईश्वरचंद्र विद्यासागर किस भाषा में बोलते थे? देश का राष्ट्रीय गीत और राष्ट्र गान किस भाषा में है?

उत्तराखंड में फंसे महाराष्ट्र के 51 पर्यटकों को वापस लाने के सरकार ने तेज किए प्रयास :अजीत पवार

एजेंसी, मुंबई

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बुधवार को मुंबई में बताया कि उत्तराखंड में फंसे ५१ श्रद्धालुओं और पर्यटकों को वापस लाने का प्रयास युद्धस्तर पर जारी है। इनमें ११ नांदेड़ जिले और शेष महाराष्ट्र के अन्य जिलों के हैं। इन सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार उत्तराखंड राज्य के प्रशासन के लगातार संपर्क में है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने आज पत्रकारों को बताया कि उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में बादल फटने की घटना के कारण फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। अजीत पवार ने कहा कि उत्तराखंड के राज्य सचिव (वित्त) दिलीप जाबलकर और पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) नीलेश भरणे से मैंने खुद संपर्क करके उनसे महाराष्ट्र के पर्यटकों को तत्काल आवश्यक सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया है। उनकी प्राथमिकता हर पर्यटक को सुरक्षित घर वापस लाना और उनके परिवारों को राहत प्रदान करना है। अजीत पवार ने उत्तराखंड में फंसे पर्यटकों और श्रद्धालुओं के परिजनों से न घबराने की अपील की है। अजीत पवार ने यह भी बताया कि राज्य के जिला प्रशासनों को आवश्यकतानुसार निर्देश भी दिए गए हैं।

चुनाव आयोग "भाजपा का दास" बनकर काम कर रहा है : ममता

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को झाड़ग्राम में आयोजित रैली से चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग "भाजपा का दास" बनकर काम कर रहा है और विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के नाम पर राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की साजिश रची जा रही है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा राज्य के चार अधिकारियों को निलंबित किए जाने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश पर कड़ा विरोध

जताया। निलंबित अधिकारियों में दो इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) और दो असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (एईआरओ) शामिल हैं। ममता ने सीधे तौर पर आयोग को चुनौती देते हुए इस आदेश को नहीं लागू करने की चेतावनी दी। उन्होंने सवाल उठाया कि किस अधिकार से राज्य के चार अधिकारियों को सस्पेंड किया गया?" उन्होंने स्पष्ट घोषणा की, मैं किसी अधिकारी को सस्पेंड नहीं करूंगी। ममता बनर्जी ने भाजपा पर बंगाल की भाषा और संस्कृति पर 'हमला' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी मजदूरों को "बांग्लादेशी" कहकर गिरफ्तार किया जा रहा है और उनके साथ दुर्व्यवहार हो रहा है। उन्होंने फिर से "भाषा आंदोलन" का आह्वान करते हुए झाड़ग्राम में रैली निकाला और लोगों से अपनी भाषा और पहचान की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग का इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए कर रही है।

झारखंडः कुख्यात नक्सली कमांडर केरकेट्टा मुठभेड़ में ढेर

एजेंसी, रांची

झारखंड के गुमला जिले की पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने मंगलवार देर रात पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के कमांडर मार्टिन केरकेट्टा को मार गिराया है। केरखेट्टा पर 15 लाख रुपए का इनाम भी घोषित था। गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र के पारही जंगल के चंगाबाड़ी में हुई मुठभेड़ में उसके पास से हथियार भी बरामद किया गया है।

एसपी हरिश बिन जमा को कामडारा थाना क्षेत्र के चंगाबाड़ी ऊपरटोली में पीएलएफआई उग्रवादी के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके आधार पर एक टीम गठित कर अभियान शुरू किया गया। जैसे ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची उग्रवादियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस की टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान पीएलएफआई उग्रवादी संगठन का कमांडर मार्टिन केरकेट्टा मारा गया। पुलिस अभी भी इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है, क्योंकि 12 से अधिक उग्रवादी मार्टिन के साथ थे और मुठभेड़ के बाद सभी इधर-उधर भागे हैं। पुलिस उग्रवादियों की घेराबंदी करने में लगी हुई है। अन्य उग्रवादियों को भी गोली लगने की सूचना है।क्योंकि पुलिस को घटनास्थल पर खून के निशान मिले है। ऑपरेशन टीम में गुमला जिले की क्यूआरटी और दो थाना क्षेत्रों के साथ-साथ स्थानीय थाना बल भी शामिल थे। मार्टिन केरकेट्टा मूल रूप से गुमला जिले के कामडारा के रेड़मा गांव का निवासी था। पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के पकड़े जाने के बाद उस पर संगठन की जिम्मेदारी थी। केरकेट्टा पीएलएफआई के केंद्रीय समिति का सदस्य भी था। मार्टिन शुरुआती दिनों से ही दिनेश गोप के साथ रह रहा था। दोनों बचपन में लापुंग के महुगांव स्थित स्कूल में एक साथ पढ़े थे। बाद में दोनों ने एक साथ संगठन का विस्तार भी किया। मार्टिन कई घटनाओं में दिनेश गोप के साथ शामिल रहा है। सरकार ने उस पर 15 लाख रुपये का इनाम रखा था।

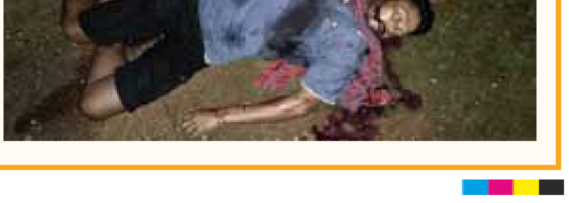

राजनीतिक दल एसआईआर पर भ्रम न फैलायें, सुधार के लिए दर्ज करायें आपत्तिः चुनाव आयोग

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग लगातार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत राजनीतिक दलों से भ्रम न फैलाने और प्रक्रिया में भागीदारी की अपील कर रहा है। आयोग का कहना है कि नियम के तहत मतदाता सूची को अपडेट किया जा रहा है। हर स्तर पर राजनीतिक दलों से जानकारी साझा की जा रही है। अभी तक दलों की ओर से कोई आपत्ति या दावे नहीं आए हैं।

आयोग ने आज एक बयान जारी कर बताया कि जमीनी स्तर पर एसआईआर की प्रक्रिया में राजनीतिक दल भाग ले रहे हैं। एसआईआर प्रक्रिया में जिनके नाम हटाये गए हैं उनकी जानकारी भी राजनीतिक दलों से साझा की गई है। उनसे अपील की गई

है कि वे अपनी आपत्तियां और दावे एक माह के भीतर दे सकते हैं। अभी तक किसी राजनीतिक दल ने कोई दावा या आपत्ति नहीं दी है। आयोग के अनुसार चार कारणों से कुछ मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किया गया है। यह चार कारण हैं कि मतदाता की मृत्यु हो गई है। मतदाता स्थानांतरित हो गया है। मतदाता एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत है। इसके अलावा ऐसे मतदाता जिन्हें कम से कम तीन बार बूथ स्तर के अधिकारी ने संपर्क करने की कोशिश की और संपर्क नहीं हो पाया। इसी क्रम में आज एक भ्रम फैलाने वाला समाचार आया कि बिहार के समस्तीपुर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को निवास प्रमाण पत्र जारी किया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने इसे साझा किया और लिखा कि ये इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि बिहार में 'इलेक्टोरल रोल रिवीजन' की पूरी प्रक्रिया धोखाधड़ी है। यह वोट चोरी करने का तरीका है। चुनाव आयोग ने स्पष्टीकरण जारी किया है। स्पष्टीकरण समस्तीपुर के जिला प्रशासन की ओर से आया है। जिला प्रशासन का कहना है कि कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है। किसी ने जानबझकर आवेदन दिया था और जांच के क्रम में यह गलत पाया गया है। इस पर एफआईआर भी कर दिया गया है तथा इस पर कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। ऐसे किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इसी बीच एआईएमआईएम के नेता असद्दुदीन औवेसी का बयान आया है। उनका कहना है कि बिहार के एसआईआर का नतीजा साफ़ है- 56 लाख लोगों के नाम काट दिए गए हैं। सबसे ज़्यादा नाम उन ज़िलों से कटे हैं जहां मुसलमानों की आबादी ज़्यादा है और जहां के लोग रोज़गार की तलाश में मजबूरी में देश के दूसरे हिस्सों में पलायन करते हैं। इसपर और रणदीप सिंह सूरजेवाला के बयान पर आयोग ने फिर कहा है कि अगर किसी मतदाता का नाम कटा है तो उन्हें दावे और आपत्ति दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें।

संक्षिप्त समाचार

मोकामा-बख्तियारपुर फोरलेन के साइड स्लोप पर कई गड्ढे, पहली बारिश में ही आने लगी दरारें

पटना। मोकामा-बख्तियारपुर फोरलेन का इस साल के मार्च में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उद्घाटन किया था। 44.6 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर अब जगह-जगह गड्ढे और दरारें दिखाई दे रही हैं। मोकामा से बख्तियारपुर के बीच साइड स्लोप में कई बड़े गड्ढे हैं। इसके कारण करीब तीन स्थानों पर सड़क में दरारें आ गई हैं। मंगलवार को अथमलगोला में नव-निर्मित प्रखंड कार्यालय के पास और बख्तियारपुर के रानीसराय पुल के पास मरम्मत कार्य किया गया। हालांकि, बेढ़ना गांव के पास पहले की गई मरम्मत घटिया सामग्री के कारण धंस गई है। पूरा गांव के समीप लगभग पच्चीस फीट के दायरे में तीन बड़े गड्ढे और दरारें हैं। प्रखंड कार्यालय अथमलगोला से रानीसराय पुल के बीच भी कई गड्ढे और दरारें हैं। कई स्थानों पर पहले भरे गए गड्ढों की जगह अब और बड़े गड्ढे हो गए हैं। कई जगहों पर ढलाई के नीचे खोल हो गया है जहां पैर रखते ही धंस जाता है। आम लोग सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं। फोरलेन की मरम्मत के समय मौजूद इंजीनियर से जब बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बड़े अधिकारियों से बयान लेने का हवाला देकर वहां से जल्दी चले गए। सड़क की मरम्मत में सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है और जहां मीडिया की खबर चलती है, वहीं मरम्मत होती है। बाकी जगहों पर गड्ढे और दरारें जस के तस बनी हुई हैं, जो सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

45 हजार के चालान के चलते छोड़ दी स्कूटी, बिना हेलमेट घूम रहा था युवक, चेकिंग में पुलिस ने पकड़ा

पटना। पटना के कृष्णा घाट के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक अपनी स्कूटी छोड़कर चला गया। बिना हेलमेट जा रहा था। इसी दौरान चेक पोस्ट पर तैनात महिला पदाधिकारी आशा कुमारी ने उसे रोक दिया। कागजात देखने लगी तो पता चला स्कूटी पर पहले से 45 हजार रुपए के चलान पेंडिंग हैं। इसके बाद महिला पदाधिकारी ने चलान भरने के लिए कहा। जिसके बाद युवक अपनी स्कूटी छोड़कर चला गया। फिलहाल स्कूटी जब्त कर ली गई है। स्कूटी सनी प्रताप नाम के युवक की है, जो पटना सुल्तानगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसने बताया कि शुरू में दो तीन चलान भरे थे। लेकिन ज्यादा चलान होने के चलते फाइन नहीं भरा। इस मामले पर पटना ट्रैफिक SP अपराजित लोहान ने कहा कि स्कूटी के ऑनर को बुलाया जाएगा। उससे पूछताछ होगी। इसके बाद लाइसेंस कैंसिल करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। फाइन जमा होने तक स्कूटी जब्त रखी जाएगी। बता दें कि शहर के अंदर पहली बार इस तरह का मामला सामने आया है। जिसमें वाहन मालिक फाइन भरने के डर से गाड़ी छोड़कर चला गया है। इधर, शहर में वाहन चेकिंग अभियान भी तेज कर दिया गया है। अलग अलग चेकपोस्ट पर सघन चेकिंग हो रही है। लाइसेंस के साथ व्यक्ति की भी पूरी तलाशी ली जा रही है।

हवाला का 55 लाख बरामद, 20 दिन से पटना में ठहरे थे तीन संदिग्ध, गुजरात से हैं तीनों आरोपी

पटना। पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर बाईपास चेकपोस्ट से तीन संदिग्ध पकड़े गए हैं। इनके पास से 55 लाख मिले हैं। इसका स्पष्ट तौर पर जवाब नहीं दे पा रहे हैं। तीनों से जक्कनपुर थाने में पूछताछ हो रही है। तीनों आरोपी दर्शन, निलेश, कनू हैं, जो पाटन गुजरात के रहने वाले हैं। 70 फीट से ओला बुक कर बोरिंग रोड नेहरू नगर रोड नम्बर 4 में किसी व्यक्ति को हवाला के रुपए देने जा रहे थे। इसी दौरान वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े गए। तीनों बोरिंग रोड में रेंट पर ठहरे थे। तीनों अलग अलग जवाब दे रहे हैं। कोई दो दिन पहले तो कोई 20 दिन पहले पटना आने की बात कह रहा है। सही जवाब नहीं दे रहे हैं। इन्होंने कहा है कि कोई सुरेश नाम के शख्स को डिलिवरी देने जा रहे थे। पुलिस की ओर से सनहा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की ओर से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सूचित किया गया है। टीम इसकी जांच पड़ताल करेगी। पुलिस को इनके मोबाइल से हवाला के साक्ष्य मिले हैं। पुलिस इनसे रुपए का हिसाब मांग रही है। लेकिन खबर लिखे जाने तक इन लोगों ने जवाब नहीं दिया था।

जीवा ज्वेलर लूटकांड का मुख्य लाइनर गिरफ्तार, एसटीएफ और पटना पुलिस ने वैशाली के शिवम को पकड़ा

पटना। पटना के दानापुर के सगुना मोर के पास स्थित जीवा ज्वेलर्स लूटकांड का मुख्य लाइनर शिवम कुमार को बिहार एसटीएफ और पटना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शिवम कुमार बिहार के वैशाली जिले का रहने वाला है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और विभिन्न कंपनियों के 11 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इसके अलावा तीन क्रेडिट कार्ड, दो राउटर, दो एडेप्टर, एक पेन ड्राइव, एक पैन कार्ड और छह आधार कार्ड भी जब्त किए गए हैं। इधर पूरे मामले पर पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि 31 जनवरी 2025 को दानापुर के सगुना मोर पर जीवा ज्वेलर्स में छह अपराधियों ने हथियार के बल पर जीवा ज्वेलर दुकान से सोने, चांदी और हीरे की लूट की थी। इस मामले में एसआईटी का गठन किया गया था। जिसके बाद बिहार एसटीएफ और पटना पुलिस के द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था।शिवम कुमार से पूछताछ में पता चला है कि शिवम कुमार ने की जीवा ज्वेलर्स लूटकांड में अपराधियों को हथियार दिया था और पूरी जानकारी भी बताया था। इसके अलावा शिवम कुमार जो बिहार के पूर्णिया में तनिष्क शोरूम लूटकांड और मध्य प्रदेश के भोपाल में बैंक लूट में भी शामिल था। शिवम पर कई अन्य आपराधिक मामले भी दर्ज हैं, जिनकी पुलिस जांच कर रही है।इसके अलावा पुलिस पूर्व में इस लूटकांड में शामिल एक अन्य अपराधी को गिरफ्तार किया था और लूट का सामान को बरामद भी किया था।

अप्राकृतिक यौनाचार मामला, अबतक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं, पुलिस बोली- सबूत के आधार पर होगी चार्जशीट

पटना। पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र में UPSC/BPSC अभ्यर्थी के साथ अप्राकृतिक यौनाचार की कोशिश हुई थी। इस मामले में आज पटना SSP कार्तिकेय के शर्मा से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि एविडेंस के आधार पर कार्रवाई होगी। साक्ष्य के आधार पर चार्जशीट आरोपियों के खिलाफ होगा। उन्हें गिरफ्तार भी किया जाएगा। अगर मेडिकल रिपोर्ट नहीं आई होगी तो संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी से संपर्क किया जाएगा। घटना 7 जुलाई को हुई थी। 8 को ही एफआईआर दर्ज की गई थी। करीब एक महीने बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आवेदन के मुताबिक पीड़ित रोज की तरह कलेक्ट्रेट घाट के पास बैठा था। इसी बीच मोहम्मद रशीद शेख नाम का युवक आया। जिससे वो पूर्व से परिचित था। उसने कहा चलो टहलते हैं। इसी बहाने मुझे घाट से नीचे ले गया। कहने लगा कि सीढ़ी चढ़ने उतरने से तुम्हारा पैर फ्री रहेगा। जैसे मैं नीचे उतरा वहां पहले से दो लोग और मौजूद थे। एकाएक सभी ने मुझे पटक दिया। मेरा ट्राउजर खोलने लगें। मेरे प्राइवेट पार्ट के साथ अश्लील हरकत करने लगें। इस दौरान आफताब नाम का युवक मेरा वीडियो भी बना रहा था। मैंने विरोध किया तो, बुरी तरह से पेट में मारा। इसके बाद बारी बारी से मेरे मुंह के पास अपना स्पर्म गिरा दिया। मेरे प्राइवेट पार्ट में स्टील का पंप घुसा दिया। भागने के दौरान मेरे पॉकेट में 2000 रुपए, मोबाइल थे उसे भी निकाल ले गए। जैसे तैसे मैं रूम पर पहुंचा और फिर पुलिस में शिकायत की। सभी ने मुझे जान से भी मारने की धमकी दी है। अभी तक इस मामले में आरोपी पकड़े नहीं गए हैं। न्याय के लिए पीड़ित थाने का चक्कर लगा रहा है।

पटना में कार में की शराब पार्टी महिला को कुचलकर मार डाला

एजेंसी, पटना

पटना के गांधी मैदान के गेट नंबर 5 के पास मंगलवार रात एक बेकाबू कार ने सड़क किनारे बैठी महिला को कुचल दिया। महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। गाड़ी में 4 से 5 युवक बैठे थे। पुलिस को गाड़ी से शराब की बोतल मिली है। युवक हाई स्पीड कार में ही शराब पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान गाड़ी पलट गई। एक महिला इसकी चपेट में आ गई। हादसे के बाद गाड़ी में सवार कुछ युवक भाग गए। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा है। उससे पूछताछ चल रही है। सभी आरोपी मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। बुजुर्ग महिला को पुलिस की मदद से PMCH भेजा गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मध्यप्रदेश से पटना आए थे सभी युवकः गांधी मैदान एडिशनल SHO परितोष कुमार ने बताया, पकड़े गए युवक का नाम विशाल भदौरिया है। कार में 4 युवक सवार थे। सभी मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं।' विशाल ने पूछताछ में बताया, 'आज ही पटना आए थे। कार के अंदर शराब पार्टी कर रहे थे।' इनके तीन साथी फिलहाल फरार हैं, जिनका नाम निखिल कुशवाहा, संजू भदौरिया, आशीष भदौरिया है।

तीनों पढ़ाई करते हैं। अभी पूछताछ जारी है।

गाड़ी विशाल की थी, दोस्तों के साथ घूमने आया थाः पुलिस पूछताछ में पता चला है कि विशाल भदौरिया मध्यप्रदेश के भिंड का रहने वाला है। वो बी कॉम लास्ट ईयर का छात्र है। उसके पिता का नाम रामकुमार सिंह है। विशाल डीडी नगर, थाना महराजपुरा, ग्वालियर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। पिता ने उसे 3 महीने पहले औरा गाड़ी खरीदी थी। इसी गाड़ी से विशाल भदौरिया ने घूमने की प्लानिंग की। घरवालों को बिना बताए मंगलवार सुबह ग्वालियर से विशाल भदौरिया अपने भाई आशीष भदौरिया और दो दोस्त संजू भदौरिया और निखिल कुशवाहा के साथ पटना के लिए निकले।

♦ एमपी से घूमने आए थे 4 दोस्त, हाई स्पीड में थी गाड़ी, 1 गिरफ्तार

पटना घूमते हुए ग्वालियर लौटने का प्लान थाः सभी ने लखनऊ में आकर शराब खरीदी। वहीं पर चारों ने एक-एक पैग लगा लिया। सभी पटना घूमते हुए ग्वालियर जाने का प्लान कर रहे थे। विशाल तीनों को पटना का गांधी मैदान, मरीन ड्राइव दिखाने लाया था। इसी बीच गांधी मैदान के पास गाड़ी अनियंत्रित हो गई और पलट गई। गाड़ी आशीष भदौरिया चला रहा था। आशीष ट्रांसपोर्ट के कारोबार से जुड़ा है। निखिल कुशवाहा के पिता आर्मी में हैं। संजू ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी है। चारों पिछले 10 सालों से एक दूसरे को जानते हैं। आशीष, निखिल और संजू फरार हैं। गाड़ी से चखना और शराब की एक बोतल मिली है। विशाल ने बताया कि डेढ़ साल पहले वो पटना के 70 फीट बाईपास इलाके में 2 महीने ठहरा था। पटना उसे अच्छा लगा था, इसीलिए सभी को घुमाने लाया था।

नदी में पैर फिसलने से डूबा किशोर, लापता

एजेंसी, पटना

पटना में धोवा नदी में बुधवार सुबह पैर धोने के दौरान सुधांशु कुमार (17) डूब गया। सुधांशु को डूबता देख उसके दोस्त चित्तरंजन ने शोर मचाया। आवाज सुनकर ग्रामीण नदी की ओर दौड़े, लेकिन तब तक सुधांशु नदी के तेज बहाव में लापता हो चुका था। सुधांशु के दादा आनंदी पासवान ने बताया कि उनका पोता सिर्फ पैर धोने गया था।

दोस्त के साथ ट्यूशन से लौट रहा था घरः पूरा मामला पटना के फतुहा थाना क्षेत्र के सिरपतपुर गांव के पास का है, जहां सिरपतपुर निवासी अमरजीत पासवान का बेटा सुधांशु अपने दोस्त चित्तरंजन के साथ ट्यूशन से घर लौट रहा था। घर के पास बहती धोवा नदी में वह पैर धोने रुका। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नदी के गहरे पानी में चला गया।

SDRF और स्थानीय गोताखोर भी तलाश में जुटेः गांव के मुखिया आलोक कुमार उर्फ मुटुर ने तत्काल फतुहा थाने को सूचना दी। सूचना मिलते ही फतुहा पुलिस, डायल 112 की टीम, SDRF और

♦ तलाश में जुटी एसडीआरएफ और गोताखोर की टीम, दोस्त के साथ ट्यूशन से लौट रहा था घर

स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे। थाना अध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। SDRF की टीम और गोताखोर लगातार धोवा नदी में सुधांशु की तलाश कर रहे हैं। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। तलाश अभियान जारी है।

पटना में 8 किलो गांजा के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के कोतवाली इलाके से तीन गांजा तस्कर पकड़े गए हैं। इनके पास से 8 किलो गांजा बरामद हुए हैं। SSP के सेल की टीम को सूचना मिली थी कि पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन इलाके में गांजा की खरीद बिक्री हो रही है। सूचना के आधार पर जब छापेमारी की गई तो एक गुमटी से लगभग 8 किलों गांजा मिले। वहीं पकड़े गए तस्करों का नाम वकील राय, फिरोज और बबलू कुमार है।

राघोपुर से कनेक्शनः छापेमारी में यह भी जानकारी मिली है कि स्टेशन के आस-पास इस गुमटी से गांजा लेने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। इससे पहले भी कई बार इस गुमटी से गांजा खरीद-बिक्री का स्टिंग ऑपरेशन भी हो चुका है। वहीं जब भी स्टिंग ऑपरेशन होता था, तस्कर सावधान हो जाते थे। कुछ दिनों के लिए अपनी गुमटी बंद कर देते थे। फिर मामला शांत होते ही गांजा की खरीद-बिक्री शुरू हो

♦ लंबे समय से पटना जंक्शन से सटे गुमटी में चल रहा था कारोबार, राघोपुर दियारा इलाके से जुड़ा है कनेक्शन

जाती थी। सूत्रों की माने तो इस गैंग का मुख्य कनेक्शन राघोपुर दियारा इलाके से जुड़ा है।

पुलिस के वेशभूषा में तस्करीः पुलिस का कहना है कि फिरोज पुलिस के वेशभूषा में आस-पास के तस्करों को डराता धमकाता था और खुद तस्करी करता था। जब भी दूसरे छोटे मोटे तस्कर इससे उलझते थे, उन्हें पकड़वा देता था। फिलहाल तीनों से कोतवाली थाने में पूछताछ जारी है।

पटना एम्स में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल खत्म

एजेंसी, पटना

पटना AIIMS में डॉक्टरों का हड़ताल समाप्त हो गया है। बीते 5 दिन से डॉक्टर हड़ताल पर थे। AIIMS के रेजिडेंट डॉक्टर के मुताबिक, हड़ताल अभी सिर्फ 10 दिनों के लिए रोकी गई है ताकि मरीजों को देखा जा सके। रेजीडेंट डॉक्टरों ने मरीजों की देखभाल और जनहित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी अधिकांश प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया गया है। हिंसा की घटना में तुरंत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

15 हजार मरीज बिना इलाज के लौटेः दरअसल, एम्स में दूर-दूर से पहुंचे मरीज बिना इलाज के वापस लौट रहे थे। ओपीडी बाधित थी। अब तक 15 हजार से अधिक मरीज बिना इलाज कराए वापस लौट गए थे। मंगलवार से ऑपरेशन भी नहीं हो रहा था। दरअसल, 30 जुलाई की रात पटना एम्स में विधायक चेतन आनंद और जूनियर डॉक्टर्स के बीच मारपीट हुई थी। इस मामले

में एम्स के डॉक्टर्स हड़ताल पर हैं। PMCH, NMCH और IGIMS के भी डॉक्टर काला रिबन बांधकर काम कर रहे हैं। डॉक्टरों की मांग थी कि विधायक चेतन आनंद लिखित माफी मांगे और FIR वापस लें। '

ऑपरेशन के लिए भटक रहे थे मरीजः पटना एम्स में मंगलवार को एक मरीज मदन यादव को उनके बेटों ने अपने कंधे पर उठाया था और हॉस्पिटल से बाहर जा रहे थे। उनका कहना है, '3 दिन से रोज आते हैं और वापस लौट जाते हैं। उन्होंने कहा था कि रोज कहा जाता है कि डॉक्टरों की हड़ताल अब खत्म हो जाएगी, लेकिन जब हॉस्पिटल पहुंचते हैं तो पता चलता है कि अभी भी हड़ताल है।' मदन यादव के पेट में इन्फेक्शन है और उनका ऑपरेशन होने वाला था, लेकिन ना डॉक्टर देख रहे हैं और ना ऑपरेशन हो रहा है। मदन यादव पैदल चल नहीं पाते हैं, तो उनके दोनों बेटे रोज अपने कंधे पर उठाकर लाते

♦ 5 दिन के बाद मरीजों का इलाज शुरू, रेजिडेंट डॉक्टर बोले- मांगे पूरी हुई, सुरक्षा भी दी जाएगी

हैं और वापस ले जाते हैं। बांका के रहने वाले हैं तो पटना में रहने में भी दिक्कत हो रही है।

हड़ताल समाप्त करने की घोषणा में ये थे शामिलः हड़ताल स्थगित करने की घोषणा में डॉ. शुभम भारद्वाज (ऑर्थोपेडिक्स), डॉ. शिवम शर्मा (बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी) समेत कई जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर शामिल थे। इनमें डॉ. अमन वर्मा, डॉ. अजय यादव, डॉ. नवीन सुथार, डॉ. राहुल कसौधन, डॉ. कुलदीप सरमा, डॉ. सिथार्थन एम, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. सिद्धार्थ सौरभ, डॉ. आनंद कुमार यादव, डॉ. सयानी दास घोष, डॉ. रितेश कुमार, डॉ. प्राची जैन और डॉ. आस्था प्रियदर्शी शामिल हैं।

पटना में हत्या के आरोपी का एनकाउंटर, एसपी बोले- टॉयलेट के लिए गाड़ी से उतरा

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ में हत्या के आरोपी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी है। बताया जा रहा है कि फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस ने मंगलवार की रात जहानाबाद के कुख्यात अपराधी रोशन शर्मा को गिरफ्तार कर थाने ला रही थी। इस दौरान बदमाश पुलिस की पिस्टल छीनकर भागने लगा। पुलिस की ओर से रोकने की कोशिश की गई, लेकिन वो नहीं माना। फिर पुलिस को गोली चलानी पड़ी। घायल अपराधी को PMCH में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

4 देसी कट्टे और 100 कारतूस बरामदः गिरफ्तार बदमाश रोशन शर्मा की निशानदेही पर पुलिस ने 4 देसी कट्टे, एक पिस्टल, करीब 100 कारतूस और 1.67 लाख

सिपाही की पिस्टल छीनने लगा, 100 कारतूस मिले

रुपए बरामद किए थे। पुलिस उसे लेकर उसके साथी हरेंद्र उर्फ कक्कू की तलाश में कुरकुरी गांव जा रही थी। इस दौरान वो पुलिस कस्टडी से भागने लगा।

रोशन के खिलाफ 18 से अधिक केस हैंः पटना SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि 'रोशन के खिलाफ हत्या समेत डेढ़ दर्ज से अधिक केस दर्ज है। इसमें हत्या, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट के मामले हैं। यह केस जहानाबाद, पटना के अलावा झारखंड और बंगाल के थानों में दर्ज है।' 'रोशन शर्मा पटना के रामकृष्ण नगर स्थित बस स्टैंड में एक हत्या मामले में आरोपी है।'

चलती बस में ड्राइवर को मारी थी गोलीः जहानाबाद जिले के सलेमपुर गांव निवासी कुख्यात रोशन शर्मा के खिलाफ पटना के कंकड़बाग, रामकृष्ण नगर, अगमकुआं, फुलवारी शरीफ सहित कई थानों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रोशन बिहार के टॉप 10 फरार अपराधियों में शामिल था। रोशन पर पटना के बैरिया जीरो माइल बस स्टैंड पर कृपानाथ शर्मा बस ड्राइवर की चलती बस में गोली मारकर हत्या का आरोप था। इसके साथ उनके ऊपर कुम्हार इलाके में रॉकी पर चाकू से जानलेवा हमले का आरोप था। फुलवारी पेट्रोल पंप लूट, हथियारों की तस्करी, अवैध निर्माण के विवादों में रंगदारी वसूली और कई संगठित आपराधिक घटनाओं में भी रोशन सक्रिय रहा है।

पटना के दियारा इलाके में घुसा गंगा का पानी

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर प्रखंड के दियारा क्षेत्र में गंगा का जलस्तर बढ़ने से स्थानीय लोग परेशान हैं। इस स्थिति का जायजा लेने राजद विधायक अनिरुद्ध कुमार पहुंचे। उन्होंने चिरैया पंचायत और सतभैया पंचायत के वार्ड नंबर 4 का दौरा किया। विधायक ने प्रभावित लोगों की समस्याओं को सुना। उन्होंने जल्द ही दियारा वासियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान उनके साथ आपदा मित्र की टीम भी मौजूद रही।

डीएम से सूखा राशन, पॉलिथीन और बाकी सामग्री की मांगः विधायक ने डीएम त्यागराजन से फोन पर बात की। उन्होंने प्रभावित लोगों के लिए सूखा राशन, पॉलिथीन और अन्य आवश्यक सामग्री मुहैया कराने की मांग की। दियारा क्षेत्र के

♦ कई घरों में पानी आने से लोग परेशान, विधायक ने लिया जायजा, डीएम से राशन-पॉलिथीन मांगी

निवासियों को गंगा के बढ़ते जलस्तर से गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को अपने लिए सूखा भोजन और पशुओं के लिए चारा नहीं मिल पा रहा है। इन परिस्थितियों के कारण सैकड़ों लोग पहले ही क्षेत्र से पलायन कर चुके हैं।

बर्थडे पार्टी में गया युवक लापता, दोस्तों पर अपहरण का आरोप

पटना। पटना में बर्थडे पार्टी में शामिल होने गया युवक विशाल कुमार लापता हो गया। पूरा मामला दानापुर स्थित खगौल थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर इलाके कोथवां गांव का है। वहीं कुछ युवकों के द्वारा विशाल की पिटाई का वीडियो सामने आया है।

दरअसल, मंगलवार की रात विशाल अपने दोस्त ललित कुमार के साथ खगौल के मुस्तफापुर में बर्थडे पार्टी में शामिल होने गया था। पार्टी से लौटते समय दल्लूचक के पास कुछ युवकों ने उसे घेर लिया। आरोपियों ने विशाल की जमकर पिटाई की, उसका मोबाइल तोड़ दिया और उसके सिर पर पत्थर से वार किया। इस घटना का एक CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कुछ युवक एक व्यक्ति को पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा- जल्द आएगी टीआरई 4 की वैकेंसी, 78,000 स्कूलों में शिक्षकों की जरूरत का आकलन कर रहे

एजेंसी, पटना

शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने आज JDU कार्यालय में जनता दरबार के दौरान कहा कि जल्द ही TRE 4 (Teacher Recruitment Exam) के तहत होने वाली नियुक्तियों की जानकारी BPSC को भेजी जाएगी। सुनील कुमार ने कहा कि राज्य में लगभग 78,000 स्कूल हैं। हर स्कूल में शिक्षकों की जरूरत का आकलन किया जा रहा है, ताकि वैकेंसी की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

डोमिसाइल को लेकर जताया आभारः शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि राज्य में डोमिसाइल नीति

♦ बहाली में बिहार के होंगे 85% अभ्यर्थी

लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि "TRE 4 की परीक्षा में अब 85 से 86 प्रतिशत अभ्यर्थी बिहार के ही होंगे। लंबे समय से उम्मीदवारों की ओर से इसकी मांग की जा रही थी, जिसे मुख्यमंत्री ने पूरा किया। इसके साथ ही मंत्री ने राज्य की रसोइया बहनों और फिजिकल इंस्ट्रक्टर शिक्षकों के मानदेय में की गई बढ़ोतरी की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि करीब 2.18 लाख रसोइयों का मानदेय 1650 रुपए से बढ़ाकर 3300 रुपए कर

दिया गया है। वहीं, फिजिकल इंस्ट्रक्टर का मानदेय 8000 से बढ़ाकर 16000 रुपये कर दिया गया है।

मंत्री श्रवण कुमार ने विपक्ष पर साधा निशानाः डोमिसाइल नीति को लेकर ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने भी समर्थन जताया और कहा कि यह फैसला राज्य के युवाओं के लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि उनके पास कोई नीति या विजन नहीं है, सिर्फ बयानबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, "विपक्ष के नेता बड़बोले हैं। उन्हें यह समझना चाहिए कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में बिहार में कितना विकास किया है।" तेज प्रताप यादव द्वारा बनाए गए नए राजनीतिक गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए श्रवण कुमार ने कहा कि वह केवल "टाइम पास" कर रहे हैं। वहीं, दिल्ली में INDIA गठबंधन की बैठक पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "चाहे वे दिल्ली में बैठक करें या विदेश में, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ने वाला है।"

संकट मोचन हनुमान मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह धूमधाम से सम्पन्न

मोतिहारी। जिले के मेहसी सदर प्रखंड के बरदाहा गांव में बुधवार को एक ऐतिहासिक और धार्मिक आयोजन के तहत संकट मोचन हनुमान मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। यह मंदिर गांव के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर के निकट स्थित है। धार्मिक आयोजन की शुरुआत सुबह वैदिक मंत्रोच्चार और हवन के साथ हुई, जिसका नेतृत्व आचार्य रीतेश कुमार उपाध्याय ने किया। मंदिर स्थापना के शुभ अवसर पर गांव की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप एक विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें 1100 कुंवारी कन्याओं ने भाग लिया। ये कन्याएं सिर पर पवित्र जल से भरे कलश लेकर पूरे गांव में भ्रमण करती हुई मंदिर परिसर पहुंचीं। यात्रा की अगुवाई पंचायत के जनप्रतिनिधियों में मुखिया मोहन सहनी, सरपंच मुरारी सहनी एवं पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार सहनी ने की। कलश यात्रा में शामिल कन्याओं में प्रमुख रूप से मनीषा कुमारी, किरण कुमारी, मुस्कान कुमारी, रवीना कुमारी, अंतिमा कुमारी, नंदनी कुमारी, चांदनी कुमारी, कोमल कुमारी, संगीता कुमारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण युवतियां मौजूद रहीं। कलश यात्रा ने गांव में उत्सव जैसा माहौल बना दिया और श्रद्धालु जय श्रीराम, जय बजरंग बली के उद्घोष करते हुए चल रहे थे। इस विशेष अवसर पर विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा में भाग लिया और गांववासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में समरसता और श्रद्धा का संदेश देते हैं। संकट मोचन हनुमान जी की कृपा से इस गांव का सर्वांगीण विकास होगा।" पूरे दिन मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान चलते रहे, जिसमें प्राण प्रतिष्ठा, रुद्राभिषेक, अष्टयाम हनुमान आराधना और भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भक्ति-भाव से ओतप्रोत वातावरण में भक्तगण हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और रामधुन का जाप करते रहे। इस आयोजन को सफल बनाने में संकट मोचन हनुमान मंदिर समिति की अहम भूमिका रही जिसमें अध्यक्ष मदन सहनी, कोषाध्यक्ष जलंधर सहनी, सचिव भोला कुमार सहनी इन सभी ने आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था को संभाला और गांव के सभी वर्गों को आयोजन से जोड़ने का कार्य किया। इस कार्यक्रम ने न केवल धार्मिक आस्था को जागृत किया, बल्कि गांव में सामाजिक एकता, समरसता और सहयोग की मिसाल भी पेश की। स्थानीय लोगों की भारी भागीदारी और उत्साह ने इसे एक यादगार अवसर बना दिया। ग्रामीणों ने इसे वर्षों बाद आयोजित एक ऐतिहासिक घटना बताया।

तुरकौलिया में सड़क हादसे में युवक की मौत, परिजनों ने नहीं कराया पोस्टमार्टम

तुरकौलिया। थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान सोहिल छपरा निवासी मोतीलाल श्रीवास्तव के पुत्र विशाल कुमार के रूप में हुई है। वह तुरकौलिया चौक पर श्रृंगार की दुकान चलाता था। मंगलवार की रात वह दुकान बंद कर घर लौट रहा था। इसी दौरान तेज बारिश हो रही थी। सेनवारिया पेट्रोल पंप के पास जैसे ही वह पहुँचा, विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार ठोकर मार दी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उसे तुरकौलिया के एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया, जहां से परिजनों के पहुँचने के बाद उसे मोतिहारी के एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हालांकि, परिजनों ने न तो शव का पोस्टमार्टम कराया और न ही पुलिस को इसकी सूचना दी। उनका कहना है कि वे पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे।

तुरकौलिया में महिला की मौत पर परिजनों का हंगामा,

ऑपरेशन के 20 दिन बाद हुई मौत, क्लिनिक पर शव रख किया प्रदर्शन

तुरकौलिया। तुरकौलिया चौक स्थित चंपारण सेवा सदन में बुधवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक महिला की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। मृत महिला की पहचान पिपरा निवासी विश्वनाथ सहनी की पत्नी सविता देवी (उम्र लगभग 38 वर्ष) के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि करीब 20 दिन पहले सविता देवी का यूट्रस (गर्भाशय) का ऑपरेशन इसी क्लिनिक में कराया गया था। ऑपरेशन के बाद वह घर लौट गई थी और एक दिन पहले ही उसने अस्पताल में ड्रेसिंग भी करवाई थी। परिजनों के अनुसार, बुधवार की सुबह वह स्थानीय दवा दुकान पर गई और वहां मौजूद व्यक्ति ने उसे एक सुई दिलवाई। सुई लेने के कुछ देर बाद ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और अचानक उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। आक्रोशित परिजन महिला का शव लेकर सीधे चंपारण सेवा सदन पहुंचे और अस्पताल परिसर में शव रखकर हंगामा करने लगे। परिजनों ने क्लिनिक प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया।

सूरत में करंट की चपेट में आने से पूर्वी चंपारण के मजदूर की मौत, गांव में मचा कोहराम

तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के सपही गांव निवासी एक मजदूर की मौत गुजरात के सूरत में काम के दौरान हो गई। मृतक की पहचान वार्ड संख्या 6 निवासी अनिल महतो (उम्र 25 वर्ष) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार अनिल सूरत के आपी इलाके में रहकर रोड घिसाई मशीन चलाने का काम करता था। कार्य के दौरान मशीन में अचानक करंट आने से वह उसकी चपेट में आ गया। गंभीर रूप से झुलसने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मशीन बिजली से संचालित होती थी। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वे सूरत पहुँचकर शव को पोस्टमार्टम के बाद गांव लेकर आए। जैसे ही शव गांव पहुंचा, पूरे माहौल में शोक की लहर दौड़ गई। अनिल पिछले पांच वर्षों से सूरत में कार्यरत था और करीब दो माह पूर्व ही वह अपने गांव से काम पर लौटा था। परिवार में पत्नी के साथ दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। सात वर्ष पहले उसकी शादी हुई थी। भाजपा नेता जगजीवन पासवान ने मृतक के परिजनों से मिलकर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना से परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सरकार से आर्थिक सहायता दिलवाने के लिए वे प्रयास करेंगे।

युक्तिकरण के पश्चात मतदान केंद्रों की सूची प्रकाशित

मोतिहारी। निर्वाचन आयोग के पूर्व अनुमोदन के आलोक में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 की धारा 25 के उपबंधों का अनुसरण करते हुए पूर्वी चंपारण जिला के संसदीय/विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान क्षेत्र के लिए मतदान केंद्र की सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के द्वारा बताया गया है कि उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार, पटना के पत्रांक 2676, दिनांक 19.07.2025 द्वारा युक्तिकरण प्रस्ताव अनुमोदित किया गया है जिसके आलोक में पूर्वी चंपारण जिला में सभी मतदान केंद्रों की सूची मतदान केंद्र के सामने मतदाताओं के समूह के लिए प्रकाशित कर दिया गया है।

बिहार में अंतर्राष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक को दी श्रद्धांजलि

सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने रिप सत्यपाल मालिक उकेर अपनी खास अंदाज में दी श्रद्धांजलि

बीएनएम @ मोतिहारी।

चम्पारण के लाल अंतरराष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेन्द्र ने बिहार के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पीपल के पते पर चित्र उकेर दिया श्रद्धाजंलि ऐसे में पूरे देश में शोक की लहर के साथ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शोक संवेदना प्रकट की हैं। इधर शोशल मिडिया यह खबर मिलते ही एकबार फिर से भावुक हुए भारत के चर्चित अंतर्राष्ट्रीय रेत कलाकार मधुरेंद्र ने अपनी 3 घंटो के कठिन मेहनत के बाद दुनियां की सबसे छोटी 3 सेमी के आकर वाली पीपल के हरे पत्तों में गवर्नर सत्यपाल मलिक की तस्वीर बनाकर लिखा हैं "रिप (RIP) सत्यपाल मालिक" और अपनी खास अंदाज में श्रद्धांजलि भी दी है। पत्तों बनी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वही सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने कहा कि पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक ने अपने जीवन के अंतिम कुछ सालों में उन्होंने इस देश को जगाने की बहुत कोशिश की थी। उनकी आखिरी शब्द "मैं रहूं या ना रहूं इसलिए देशवासियों को सच्चाई बताना चाहता हूं" के साथ उनका निधन हो गया हैं। मलिक साहब लोकतंत्र का योद्धा और किसानों का हितरक्षक भी थे। बता दें कि इंटरनेशनल सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार अपनी बेमिसाल कलाकृतियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक सन्देश के लिए देश दुनियां में जाने जाते हैं। बीते दिनों सोमवार को सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरूजी सिबू सोरेन की तस्वीर बनाकर श्रद्धांजलि दी थी। सारा देश उनके निधन का शोक मना रहा था, तब तक 79 वर्षीय सत्यपाल मालिक ने मंगलवार को दोपहर करीब 1बजकर 10 मिनट पर नई दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अंतिम सांस ले ली। वे लंबे समय से किडनी की बीमारी से अस्पताल में जीवन मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे थे और कई बार आईसीयू में गए और बाहर आए। आखिरकार लड़ाई हार गए। गौरतलब हो कि सत्यपाल मलिक 30 सितंबर 2017 को बिहार के राज्यपाल नियुक्त हुए थे। इसके बाद उन्हें अगस्त 2018 में जम्मू-कश्मीर और फिर 2020 में मेघालय में राज्यपाल पद पर भेजा गया। सत्यपाल मलिक 24 जुलाई 1946 को बागपत जिले में पैदा हुए और भारतीय क्रांति दल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, जनता दल, लोक दल और समाजवादी पार्टी आदि राजनीतिक दलों से जुड़ने के बाद बीजेपी में शामिल हुए थे। मलिक 1989 में अलीगढ़ संसदीय क्षेत्र से सांसद चुने गए और इसके पहले 1980 से 1989 तक राज्यसभा के भी सदस्य रहे थे। मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री समेत बड़े राजनैतिक हस्तियों, शिक्षाविदों व प्रबुद्ध लोगों ने भी सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र की कलाकृतियों को अपने शोशल मिडिया अकाउंट पर साझा करते हुए सत्यपाल मलिक के निधन पर दुःख व्यक्त कर दिवंगत आत्मा को नमन किया है।

जियो टैगिंग एवं जियो फेंसिंग" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी।

बुधवार को उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जिला परिषद्, मोतिहारी के सभागार में "जियो टैगिंग एवं जियो फेंसिंग" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के सभी ग्राम पंचायतों के मनरेगा पंचायत रोजगार सेवक को मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में और अधिक पारदर्शिता एवं वैज्ञानिकता लागू करने के दृष्टिकोण से यह प्रशिक्षण दिया गया। किसी भी योजना का जियो लोकेशन का योजना क्रियान्वयन के क्रम में तीन बार जियो टैगिंग करना एवं जियो फेंसिंग के माध्यम से योजना के दोहरीकरण को रोकना इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी पंचायत रोजगार सेवकों को जियो मनरेगा ऐप के रियल टाईम इस्तेमाल के साथ हैण्ड्सऑन प्रशिक्षण दिया गया। एन.एम.एम.एस. के माध्यम से मजदूरों की उपस्थिति, आवास योजना में मनरेगा से मजदूरी भुगतान हेतु मस्टर रॉल निर्गत होने की स्थिति, मजदूरी के रिजेक्टेड ट्रॉजेक्शन के साथ वृक्षारोपण योजना एवं कार्य पूर्णता की समीक्षा के साथ आवश्यक निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त जल-जीवन-हरियाली एवं जल शक्ति अभियान अन्तर्गत जिले में क्रियान्वित योजनाओं का पोर्टल पर डाटा इन्ट्री में तेजी लाने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। प्रशिक्षण/समीक्षा सत्र के दौरान निदेशक, राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा के साथ सभी कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने चंपारण तटबंध और गेज स्टेशन का किया निरीक्षण, सतत निगरानी का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी।

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बुधवार को बाढ़ सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के क्रम में बदुराहा रिंग बांध (चंपारण तटबंध) एवं डुमरिया घाट स्थित केंद्रीय जल आयोग के गेज स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेज स्टेशन पर जलस्तर मापने की प्रक्रिया और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। साथ ही चंपारण तटबंध की मजबूती, मरम्मत कार्यों और सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सघन और सतत निगरानी बनाए रखने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के अभियंताओं को अलर्ट मोड में रहने और नियमित पेट्रोलिंग करने का भी आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालक अभियंता रंजन प्रकाश, सहायक अभियंता शांतनु कुमार एवं कनीय अभियंता सुधीर कुमार गुप्ता उपस्थित थे।

'मध्यस्थता फॉर द नेशन' कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

बीएनएम @ मोतिहारी।

"मध्यस्थता फॉर द नेशन – 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम" के तहत बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवराज त्रिपाठी ने विधिवत रूप से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर मध्यस्थता के महत्व, प्रक्रिया एवं इसके लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करेगा। इस रथ के माध्यम से आम नागरिकों को यह जानकारी दी जाएगी कि मध्यस्थता एक वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया है, जिसके द्वारा न्यायालय में लंबित वादों का समाधान आपसी सुलह एवं सहमति से त्वरित रूप से किया जा सकता है। यह प्रक्रिया न केवल समय की बचत करती है बल्कि पक्षकारों के बीच आपसी संबंधों को भी बनाए रखती है। उक्त कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीश त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि, "मध्यस्थता न्याय व्यवस्था को सशक्त और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसकी प्रक्रिया और लाभों से अवगत कराना आवश्यक है ताकि वे इसे अपनाकर समयबद्ध न्याय प्राप्त कर सकें।" इस अवसर पर कई गणमान्य न्यायिक पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। जिनमें प्रमुख रूप से मुकुंद कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अभिषेक आनंद, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पुनीत कुमार तिवारी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम), श्वेता सिंह, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (ACJM-VI), नितिन त्रिपाठी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, ज्ञानेश्वर प्रकाश, जिला जन संपर्क पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस रथ के माध्यम से न केवल आमजन तक जागरूकता का संदेश पहुँचेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक नागरिक को न्याय सुलभ, सरल और सस्ता रूप में मिले। विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में यह अभियान न्यायिक प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करने में सहायक सिद्ध होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा यह अभियान आगामी 90 दिनों तक लगातार चलाया जाएगा, जिसमें विभिन्न विद्यालयों, पंचायतों, ग्रामीण चौपालों एवं जनसंचारी स्थलों पर जाकर मध्यस्थता शिविर, पर्चा वितरण और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सचिव नितिन त्रिपाठी ने सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थिति जनों का आभार प्रकट करते हुए लोगों से अपील की कि वे मध्यस्थता के विकल्प को अपनाएं और वाद-विवादों को न्यायालय के बाहर शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाएं।

बच्चों के पोशाक सिलाई केंद्र हेतु जीविका दीदियों का सिलाई प्रशिक्षण प्रारंभ

बीएनएम @ मोतिहारी।

जीविका और समेकित बाल विकास सेवाएँ (आईसीडीएस) के मध्य हुए समझौता ज्ञापन के अनुसार जीविका परियोजना अपने सामुदायिक संगठनों के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर स्कुल पूर्व शिक्षा प्राप्त कर रहे 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को पोषक उपलब्ध करवाने की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद पूर्वी चंपारण जिले के सभी प्रखंडों में संचालित जीविका संकुल संघ के द्वारा सिलाई केंद्र की स्थापना की गयी है एवं इस सिलाई केन्द्रों में सिलाई का कार्य करने हेतु संकुल संघ के द्वारा चयनित जीविका दीदियों का सात दिवसीय गैर आवासीय सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली जीविका दीदियों को बच्चों के शर्ट (फुल एवं हाफ), पैंट (फुल एवं हाफ) एवं स्कर्ट के सिलाई हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत तुरकौलिया प्रखंड के रानी लक्ष्मीबाई संकुल संघ, केसरिया प्रखंड के ज्योति संकुल संघ, चकिया प्रखंड के उपकार संकुल संघ, बंजरिया प्रखंड के संजीवनी संकुल संघ, सुगौली प्रखंड के दीपक संकुल संघ, मेहसी प्रखंड के माँ सरस्वती संकुल संघ, बनकटवा प्रखंड के रचना संकुल संघ सहित संग्रामपुर प्रखंड के माँ भवानी संकुल संघ के अलावा सभी प्रखंडों में स्थानीय संकुल संघ के माध्यम से सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रत्येक प्रशिक्षण के एक बैच में 25-25 दीदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के उपरान्त प्रशिक्षित दीदियाँ संकुल संघ के सिलाई केंद्र में सिलाई का कार्य कर अपनी आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की ओर एक और कदम बढ़ायेंगी।

बेहतर शिक्षा व योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर बीईओ ने की समीक्षा बैठक

बीएनएम @ रक्सौल।

प्रखंड संसाधन केंद्र के सभागार में मंगलवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) ब्रजेश कुशवाहा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें प्रखंड अंतर्गत सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, सीआरसीसी संचालक और समन्वयकों ने भाग लिया। बैठक में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बीईओ ने निर्देश दिया कि अधिक से अधिक बच्चों को जवाहर नवोदय विद्यालय में पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए। इसके साथ ही इन्स्पायर अवार्ड, प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (PBL), ईको क्लब, यू-डायस एवं ई-शिक्षा कोष से संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली। कक्षा एक के बच्चों का ई-शिक्षा कोष में नामांकन, खेलकूद से जुड़ी योजनाओं की उपयोगिता, और विद्यालय शिक्षा समिति के पुनर्गठन जैसे बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में सभी विद्यालयों से लंबित प्रतिवेदन, उपयोगिता प्रमाण पत्र व अन्य आवश्यक दस्तावेज तत्काल जमा कराने को कहा गया। बीईओ ने शैक्षणिक व विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लेने की चेतावनी दी। मौके पर पीएम पोषण योजना के प्रखंड साधनसेवी योगेश प्रसाद, लिपिक मनोज कुमार, निशांत कुमार, मनीष कुमार सहित सभी सीआरसीसी संचालक, समन्वयक एवं विद्यालय प्रधान मौजूद थे।

16 अगस्त से 20 सितम्बर तक चलेगा राजस्व महा अभियान

बीएनएम @ मोतिहारी।

▪ महा अभियान के सफल संचालन को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग बिहार के द्वारा 16 अगस्त से प्रारंभ हो रहे राजस्व महा-अभियान को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, जिला के सभी अनुमंडल के अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, सभी अंचलों के अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी के साथ-साथ प्रखंडों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी उपस्थित थे। जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का जिलाधिकारी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व भूमि सुधार विभाग बिहार सरकार के द्वारा रेवेन्यू रिकॉर्ड की त्रुटियों को दूर करने के लिए राजस्व महा अभियान आगामी 16 अगस्त से जिले में प्रारंभ हो रहा है जो 20 सितंबर तक चलेगा। यह एक बड़ा अभियान है जिसे मिशन मोड में पूरा करना है। इसे अंतर्विभागीय सहयोग एवं टीम स्पिरिट के साथ पूर्ण किया जाएगा। जिलाधिकारी के द्वारा इस कार्य को करने के लिए सभी अंचलों द्वारा माइक्रो प्लान बना लेने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी अंचल अगले 10 अगस्त तक माइक्रो प्लान बना लें। सभी अंचल में 08 अगस्त को अंचल स्तर पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाए जिसमें अंचल कर्मी, प्रखंड कर्मी सहित अन्य प्रखंड स्तरीय कर्मी,पंचायत सचिव से लेकर अन्य कर्मियों को शामिल किया जाए। इस कार्य में अधिक मानव बल की आवश्यकता होगी उसको देखते हुए कर्मियों को पहले ही चिन्हित कर लिया जाए। जिलाधिकारी के द्वारा कहा गया कि इस संपूर्ण अभियान का अनुमंडल पदाधिकारी एवं डीसीएलआर के द्वारा अनुश्रवण किया जाएगा। इसके लिए राजस्व विभाग का डैशबोर्ड बना हुआ है जिसमें प्रतिदिन के कार्यों की प्रगति भी दिखेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि इस महाभियान में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की बड़ी भूमिका रहेगी।राजस्व महा अभियान अंतर्गत सभी जमाबंदीदार से संपर्क किया जाएगा, उन्हें जरूरी प्रपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे एवं उनसे से प्राप्त प्रपत्रों का निष्पादन ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान विभागीय पोर्टल की जानकारी दी गई और उसका एक्सेस भी दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व विभाग की त्रुटियों को दूर करने के लिए सरकार के द्वारा परिमार्जन योजना पहले से ही चलाई जा रही है परंतु राजस्व महाभिया एक बड़ा कार्यक्रम है जिसमें सभी रैयतों से कर्मी मिलेंगे और उन्हें जरूरी जानकारी भी दी जाएगी। इस अवसर पर अपर समाहर्ता ने कहा कि भू-अभिलेखों को अद्यतन करने के लिए 16अगस्त से प्रारंभ हो रहे राजस्व महा-अभियान अंतर्गत हर घर तक पहुंचेगी जमीन से जुड़ी जरूरी सुधारों की सुविधा। इसमें नाम, खाता, खेसरा, रकबा, लगान जैसी कई त्रुटियों को दूर किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य भूमि संबंधी दस्तावेजों में पारदर्शिता लाना और जनता को जमीन से जुड़ी जरूरी सुधारों की सुविधा सीधे उनके द्वार तक पहुंचाना है। इस अभियान के अंतर्गत डिजिटाइज्ड जमाबंदी में त्रुटि सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण एवं छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन किया जाएगा। इन महत्वपूर्ण कार्यों को हल्का स्तर पर शिविर लगाकर पूरा किया जाएगा। इस राजस्व महाअभियान के तहत ऑफलाइन जमाबंदी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। रैयत की मृत्यु के बाद उत्तराधिकारियों के नाम पर जमाबंदी कराई जाएगी। संयुक्त जमाबंदी के मौखिक बंटवारे के बावजूद अंशधारकों के नाम से अलग जमाबंदी सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://biharbhumi.bihar.gov.in/ पर विजिट किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

खेत में भिंडी तोड़ने गए युवक की संदेहास्पद मौत

बखरी बेगूसराय बखरी थाना क्षेत्र के बहोरचक गांव में बुधवार सुबह एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पहचान बहोरचक निवासी विन्देश्वरी पासवान के 25 वर्षीय पुत्र ललन कुमार के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार ललन कुमार सुबह लगभग 8 बजे घर से खेत में भिंडी तोड़ने के लिए निकले थे। लगभग 9:30 बजे उनके परिवार को सूचना मिली कि ललन डेलफेका बाबा स्थान के पास गड्ढे के पानी में मृत पाए गए हैं। शव की स्थिति को देखकर यह आशंका जताई जा रही है कि युवक को पानी भरे गड्ढे में डुबोकर मारा गया है।घटना की खबर फैलते ही गांव में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। लोगों ने तुरंत बखरी थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक विवाहित थे और चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई सामान्य मौत नहीं है, बल्कि हत्या का मामला है। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अगली कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि तीन माह पहले उक्त युवक का इसी खेत से बाईक गायब हो गया था। जिसका प्राथमिकी बखरी थाना में दर्ज है।

विशेष प्रेक्षक ने की समीक्षा बैठक, राजनीतिक दलों से फीडबैक प्राप्त किया

आरा। भोजपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के संदर्भ में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त विशेष प्रेक्षक, निर्वाचक सूची नजमुल होदा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार, आरा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्ष, सचिव और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा करना और राजनीतिक दलों से सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त करना था। उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया की पारदर्शिता, समग्रता और निष्पक्षता पर संतोष व्यक्त किया और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप चल रहे कार्य की सराहना की। प्रतिनिधियों ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रत्येक गतिविधि के संबंध में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा लगातार सूचनाएं साझा की जा रही हैं। विशेष प्रेक्षक नजमुल होदा ने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे मतदाता सूची में सुधार, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने और मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित करने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, उन्होंने निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी दलों से बीएलए-2 की नियुक्ति अतिशीघ्र करने की अपील की। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी और अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मतदाता केंद्रों पर सभी सुविधाएं मुहैया कराएं : डीडीसी

आरा, अंग भारत। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर उप विकास आयुक्त गुंजन सिंह की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में चुनाव प्रक्रिया को सुगम और समावेशी बनाने के लिए कई निर्णय लिए गए। उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि चुनाव प्रक्रिया के सुगम एवं समावेशी संचालन हेतु सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं जैसे रैंप, व्हीलचेयर, पेयजल, विद्युत, स्वयंसेवक एवं परिवहन सुविधा समय पर सुनिश्चित की जाएं। इसके अलावा दिव्यांग मतदाताओं को फॉर्म 6, 7 और 8 की जानकारी देकर निर्वाचक सूची में पंजीकरण कराने और वोटर हेल्पलाइन ऐप और सक्षम ऐप के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। उप विकास आयुक्त ने सोशल मीडिया और स्वीप गतिविधियों के माध्यम से कॉलेजों व शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब एवं कैंपस एंबेसडर की मदद से जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

‘बिहार बदलाव यात्रा’ के तहत बेगूसराय आए प्रशांत किशोर, नावकोठी के एपीएस हाई स्कूल मैदान में जनसभा को किया संबोधित

बीएनएम @ बेगूसराय।

बेगूसराय में प्रशांत किशोर का पीएम मोदी पर हमला, बोले- मोदी देश भर से वोट और रुपये लेकर गुजरात में फैक्ट्री लगवा रहे, बिहार के युवा इन्हीं फैक्ट्रियों में मजदूरी करने जाते हैं प्रशांत किशोर ने बेगूसराय की जनता से किया बड़ा वादा, कहा- इस बार अपने बच्चों के लिए वोट दें, छठ के बाद युवाओं को बिहार में ही देंगे 12 हजार रुपये तक का रोजगार

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत लगातार अलग-अलग जिलों और प्रखंडों में लोगों से संवाद कर रहे हैं और स्थानीय पत्रकारों से भी बात कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज उन्होंने बेगूसराय के बखरी विधानसभा अंतर्गत एपीएस हाई स्कूल मैदान नावकोठी में आयोजित बिहार बदलाव सभा को संबोधित किया। प्रशांत किशोर ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार के लोगों ने पीएम मोदी को मंदिर के लिए वोट दिया, वो बन गया। जाति के नाम पर वोट दिया तो नीतीश कुमार ने जाति गणना करा दिया। पीएम मोदी बिहार के लोगों का वोट लेकर और देश भर का पैसा लेकर अपने राज्य गुजरात में फैक्ट्री लगवा रहे हैं। आपने अभी तक अपने बच्चों के लिए वोट नहीं दिया। इसलिए आपके बच्चे मोदी के गुजरात में जाकर उन्हीं फैक्ट्रियों में मजदूरी कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने कहा कि आपने मोदी का चेहरा देख कर वोट दिया तो चायवाला प्रधानमंत्री बन गया। लालू का चेहरा देखकर वोट दिया तो भैंस चराने वाला 30 साल से राजा बना हुआ है। नीतीश का चेहरा देखकर वोट दिया तो वैद्य का लड़का 20 साल से शासन कर रहा है। इस बार नेताओं का चेहरा देखकर वोट न करें, चाहे लालू हों, नीतीश हों या मोदी हों। इस बार अपने बच्चों के लिए वोट दें और बिहार में जनता का राज स्थापित करें। इस बार अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट करें।

प्रशांत किशोर ने बेगूसराय की जनता से किया बड़ा वादा, कहा- छठ के बाद युवाओं को बिहार में ही 10-12 हजार रुपये का रोजगार मिलेगा, बुजुर्गों को 2000 रुपये पेंशन, बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा भी देंगे: प्रशांत किशोर ने बेगूसराय की जनता से कहा कि इस बार अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट कीजिए। इस साल बिहार की बदहाली की आखिरी दिवाली और छठ होगी। छठ के बाद बेगूसराय के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की मजदूरी करने के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा। बेगूसराय के ही नहीं, बिहार भर के ऐसे 50 लाख युवाओं को वापस बुलाकर उन्हें यहीं 10-12 हजार रुपये का रोजगार दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के हर पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। साथ ही जब तक सरकारी विद्यालयों में सुधार नहीं हो जाएगा, तब तक आप अपने 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाएं और उनकी फीस सरकार भरेगी ताकि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ सके। इस मौके पर बिहार बदलाव सभा के नेतृत्व कर रहे जन सुराज बदलाव सभा में बखरी से हजारों की भागीदारी जन सुराज के बखरी प्रखंड युवा अध्यक्ष अंकुल कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित जन सुराज बिहार बदलाव सभा में बखरी क्षेत्र से सैकड़ों गाड़ियों के साथ हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित बखरी विधानसभा के संभावित उम्मीदवार डॉ. संजय पासवान, बखरी प्रखंड प्रमुख शिवचंद्र पासवान, पूर्व प्रमुख रामचंद्र राम, जन सुराज की बखरी विधानसभा उम्मीदवार किरण कुमारी, जन सुराज के जिला महासचिव व पूर्व मुखिया तुफैल अहमद खान, पूर्व मुखिया विजय कुमार पासवान, बलवंत सिंह, छोटे, अमित कुमार समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभा में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी ने बदलाव की इस मुहिम को नई ऊर्जा दी।

सीओ ने राजस्व कर्मियों के साथ की बैठक, दिया निर्देश

....16 अगस्त से 20 सितंबर तक चलेगा राजस्व महा अभियान ,भू स्वामियों के समस्याओं का निपटारा

बीएनएम @ बगहा

बगहा सरकार के विभागीय निर्देश के आलोक में भूमि राजस्व विभाग द्वारा 16 अगस्त से 20 सितंबर तक राजस्व महा अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत आंचल अंतर्गत हल्का राजस्व कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्र में भूत स्वामियों के जमाबंदी रैयतों के बीच जांच पड़ताल कर करना सुनिश्चित करेंगे साथ ही जमाबंदी त्रुटि का सुधार भी किया जाएगा साथ ही जमाबंदी नामांतरण अप बंटवारा संबंधी आवेदन का भी निपटारा किया जाएगा जिसमें स्थानीय तौर पर मुखिया वार्ड सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का सहयोग अपेक्षित रहेगा .उक्त जानकारी अंचल बगहा एक सीओ नर्मदा श्रीवास्तव ने बुधवार को आरओ विकाश कुमार व राजस्व कर्मचारी,अमीन के साथ कार्यालय में बैठक के दौरान दी.सीओ ने बताया कि सभी हल्का कर्मचारी अमीन अपने अपने हल्का में नित्य रूप से कैंप लगा कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से भू स्वामियों के भूमि से संबंधित जमाबंदी बटवारा जमाबंदी त्रुटि सुधार करना सुनिश्चित करेंगे उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कार्यों को पूरी निष्ठा एवं लगन के साथ निर्विवाद रूप से करने की सलाह दी ताकि भूस्वामियों को आसानी से भूमि से संबंधित आवश्यक कार्यों का निपटारा किया जा सके बैठक में राजस्व कर्मचारी अमीन एवं अंचल कर्मी मौजूद रहे

बच्चों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। अब शिशु और बाल रोगों के उपचार के लिए उन्हें बेगूसराय या अन्य बड़े शहरों की ओर जाने का झंझट खत्म

- बखरी आयुष हॉस्पिटल में हर बुधवार को बेगूसराय शहर के प्रसिद्ध डॉ. शशि भूषण प्रसाद सिंह, छः माह से दे रहे सेवाएं

बीएनएम @बखरी (बेगूसराय)।

बखरी क्षेत्र के माता-पिता और बच्चों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। अब शिशु और बाल रोगों के उपचार के लिए उन्हें बेगूसराय या अन्य बड़े शहरों की ओर नहीं भागना पड़ेगा। बेगूसराय के जाने-माने नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ बेगूसराय के प्रसिद्ध डॉ. शशि भूषण प्रसाद सिंह पिछले छह महीनों से नियमित रूप से हर बुधवार को दोपहर 1 बजे से बखरी स्थित आयुष हॉस्पिटल में रोगियों को अपनी सेवाएं दे रहे हैं। डॉ. शशि भूषण प्रसाद सिंह नवजात शिशुओं और बच्चों के जटिल रोगों के इलाज में विशेषज्ञता रखते हैं और जिले के सबसे शिशु रोग विशेषज्ञों में से एक हैं। उन्होंने अपने लंबे चिकित्सकीय अनुभव और समर्पण से हजारों बच्चों का सफल इलाज किया है, और अब वही विशेषज्ञता बखरी क्षेत्र के लोगों को घर के पास उपलब्ध हो रही है। इस स्वास्थ्य सेवा की शुरुआत आयुष हॉस्पिटल के निदेशक एम.एन. रहमानी के विशेष प्रयास से संभव हो पाई है। रहमानी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा की भारी कमी है, जिसे दूर करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि "हमारा उद्देश्य है कि बखरी और इसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी शहर जैसे विशेषज्ञ इलाज का लाभ ले सकें।"डॉ. शशि भूषण की नियमित उपस्थिति से बखरी ही नहीं, बल्कि गढ़पुरा, साहेबपुर कमाल मंझौल तेघरा बछवाड़ा बखरी शंकरपुर,अलौली सहित दलसिंहसराय समस्तीपुर खगड़िया शहर एवं बेगूसराय जिले आसपास के गांवों के सैकड़ों परिवारों को लाभ मिल रहा है। स्थानीय लोगों में भी इस सुविधा को लेकर काफी उत्साह और संतोष देखा जा रहा है। एक स्थानीय निवासी माया राम सहनी ने बताया, "पहले हमें बच्चों को दिखाने के लिए बेगूसराय जाना पड़ता था, जिससे न सिर्फ समय और पैसा खर्च होता था, बल्कि कई बार इमरजेंसी में बड़ी मुश्किल होती थी। अब हमारे ही क्षेत्र में इतने बड़े डॉक्टर उपलब्ध हैं, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है।"

एक मरीज की मां ने कहा, "डॉ. साहब बहुत अच्छे से बच्चों को देखते हैं, दवाएं भी सही देते हैं और बच्चा जल्दी ठीक हो जाता है। हमें अब शहर के डॉक्टरों के पास जाने की जरूरत नहीं।" यह पहल न केवल इलाज को सुलभ बना रही है, बल्कि बखरी में स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक नया बदलाव भी ला रही है। क्षेत्रीय लोगों को अब उम्मीद है कि भविष्य में भी इसी तरह विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवा उनके दरवाज़े तक पहुंचेगी। डॉ. शशि भूषण प्रसाद सिंह की नियमित सेवाएं बखरी क्षेत्र में एक स्वास्थ्य क्रांति का संकेत हैं, जो आने वाले दिनों में और अधिक प्रभावशाली साबित होंगी।

गढ़पुरा पीएचसी में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर स्तनपान कक्ष का उद्घाटन

माताओं को कराया गया शपथ, नवजात के लिए स्तनपान को बताया गया अमृत समान

बीएनएम @ गढ़पुरा (बेगूसराय)।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) गढ़पुरा में स्तनपान कक्ष का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नेहाल फारूक, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अनूप जायसवाल और प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस अवसर पर डॉ. नेहाल फारूक ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य समिति के निर्देश पर स्तनपान जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत एएनएम द्वारा माताओं को स्तनपान के लाभ और बोतलबंद दूध के दुष्प्रभावों की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि स्तनपान नवजात के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रसव कक्ष में भर्ती 9 प्रसूताओं ने जन्म के एक घंटे के भीतर नवजात को स्तनपान कराने और आगामी छह माह तक केवल स्तनपान कराने की शपथ ली।

प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार ने कहा कि स्तनपान नवजात मृत्यु दर और कुपोषण की रोकथाम में अत्यंत सहायक है। उन्होंने बताया कि आशा कार्यकर्ताओं को भी अपने-अपने क्षेत्र में स्तनपान के प्रति जनजागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर स्टाफ नर्स पुष्पम, लिपिक अमित कुमार, ममता कार्यकर्ता सहित कई आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में माताओं को जागरूक करने हेतु पंपलेट्स और पोस्टर भी वितरित किए गए।

महावीरी झंडा मेला मे दंगल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बीएनएम @ हरसिद्धि।

प्रखंड क्षेत्र के सोनवर्षा मचवा चौक पर भाई सेना द्वारा आयोजित महावीरी झंडा मेला मे दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमे विभिन्न राज्यों से आये महिला व पुरुष पहलवानो ने अपने दाव-पेच से लोगो का खूब मनोरंजन किया। मेला का उदघाटन पूर्व प्रमुख अवधेश राम एवं भाई सेना के अध्यक्ष उत्तम सहनी ने संयुक्त रूप से किया। मेला संरक्षक व भाई सेना के संस्थापक अध्यक्ष उत्तम सहनी ने लोगो को संबोधित करते हुये कहा की दंगल आज भी गांव का सबसे लोकप्रिय खेल है, इसे जीवंत रखने के लिए ऐसी ही प्रतियोगिता आयोजित करनी होगी, यह काफी ही लोकप्रिय खेल है। इसमें समाज के हर वर्ग सबको आगे आना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जो काबिले तारीफ है। शांतिपूर्ण मेला आयोजन के समय अवधेश राम ने धोबिया पछाड़ सहित कई दांव पेच के बारे में पहलवानों के समक्ष बता कर उनका हौसला बढ़ाया। रेफरी लष्मण पहलवान व कमेंटरी की भूमिका अरुण कुशवाहा ने निभायी। मौके पर अरुण कुमार, चंदन यादव, आकाश ओझा, लोहा सिंह, सुदामा यादव, दिगम्बर तिवारी, दुर्योधन सहनी सहित भारी संख्या मे ग्रामीण मौजूद रहे।

तुरकौलिया में महिला की मौत पर परिजनों का हंगामा

ऑपरेशन के 20 दिन बाद हुई मौत, क्लिनिक पर शव रख किया प्रदर्शन

बीएनएम @तुरकौलिया।

तुरकौलिया चौक स्थित चंपारण सेवा सदन में बुधवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक महिला की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। मृत महिला की पहचान पिपरा निवासी विश्वनाथ सहनी की पत्नी सविता देवी (उम्र लगभग 38 वर्ष) के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि करीब 20 दिन पहले सविता देवी का यूट्रस (गर्भाशय) का ऑपरेशन इसी क्लिनिक में कराया गया था। ऑपरेशन के बाद वह घर लौट गई थी और एक दिन पहले ही उसने अस्पताल में ड्रेसिंग भी करवाई थी। परिजनों के अनुसार, बुधवार की सुबह वह स्थानीय दवा दुकान पर गई और वहां मौजूद व्यक्ति ने उसे एक सुई दिलवाई। सुई लेने के कुछ देर बाद ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और अचानक उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। आक्रोशित परिजन महिला का शव लेकर सीधे चंपारण सेवा सदन पहुंचे और अस्पताल परिसर में शव रखकर हंगामा करने लगे। परिजनों ने क्लिनिक प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया।

केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे का प्रयास लाया रंग

बीएनएम @बगहा।

- प्रधानमंत्री से मुलाकात कर गंडक बैराज के स्थिति के बारे में दी थी जानकारी
- गंडक बराज के बांधों की सुरक्षा को लेकर सात सदस्य टीम में किया मूल्यांकन*
- वाल्मीकि नगर दो दिवसीय दौरे पर पहुंची अभियंताओं की टीम
- गंडक बराज को भारत सरकार के गठित टीम के द्वार किया गया निरीक्षण

चंपारण क्षेत्र को बाढ़ से बचने एवं पश्चिमी चंपारण की आर्थिक गतिविधियों की प्रगति को लेकर कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने 31 जुलाई को प्रधानमंत्री से भेंट की। इस भेंट वार्ता के दौरान इन्होंने गंडक बैराज को समानांतर एक अधिक ऊंचा बैराज बनाने का अनुरोध किया था। जिसके ऊपर चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाए। क्योंकि 55 वर्ष पहले बने गंडक बैराज की जलधारा क्षमता काफी कम हो गई है इसमें न केवल सिंचाई हेतु जल की कमी महसूस की जा रही है बिल्कुल मानसून के समय कई बार सभी 36 गेट खोलने की स्थिति आ रही है इससे पश्चिमी चंपारण पूर्वी चंपारण, वैशाली, गोपालगंज, सिवान, एवं सारण जिलों में बाढ़ की गंभीर समस्या और वर्ष भर इसका दुष्परिणाम झेलने से राहत मिल सके। इसी आलोक में गंडक बैराज के निरीक्षण को लेकर बुधवार को कार्यालय राज्य बांध सुरक्षा संगठन जल संसाधन विभाग अनिसाबाद पटना के राज्य बांध सुरक्षा समिति के अध्यक्ष अभियंता प्रमुख सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग द्वारा भारत सरकार के दिशा- निर्देश पर गठित एक टीम के द्वारा गंडक बराज का निरीक्षण किया गया।

सी डब्लू सी के पूर्व चेयरमैन ए के बजाज के नेतृत्व में टीम वीरपुर कोशी बराज के निरीक्षण के उपरांत वाल्मीकि नगर आया। श्री बजाज ने बताया की भारत सरकार के द्वारा बनाया गया डैम सुरक्षा अधिनियम 21 के तहत पूर्व में बनाए गए सभी डैम की वर्तमान में क्या स्थिति है। तथा इसमें क्या सुधार किया जा सकता है। इसकी कमियों की जांच के लिए टीम वाल्मीकि नगर गंडक बराज का निरीक्षण करने के लिए दो दिवसीय दौरे पर पहुंची। टीम में सभी विभाग के विशेषज्ञ शामिल है। सभी के द्वारा गंडक बराज के फाटक, गेट के रस्सी,कंट्रोल रूम की स्थिति , ओपरेटिंग सिस्टम बांध इत्यादि की जांच कि गई। गंडक बराज का निरीक्षण का रिपोर्ट तैयार किया जाएगा। जो भी कमियां होंगी। तथा जो भी बदलाव करना होगा। उसकी रिपोर्ट तैयार कर भारत सरकार व राज्य सरकार को सुपुर्द की जाएगी। इसके साथ ही गंडक बराज का जब निर्माण हुआ था।तब सड़क पर कितनी क्षमता की वाहन को आवागमन के लिए अनुमति दिया गया था। अभी सड़क की क्या स्थिति है। इसके साथ ही वाहन के आवागमन से सड़क पर कितना कंपन हो रहा है। इसका भी रिपोर्ट तैयार किया जाएगा। तैयार रिपोर्ट के आधार पर भारत सरकार के द्वारा डैम की कमियों को दूर करने के लिए संबंधित विभाग को दिशा-निर्देश दिया जाएगा। भारत सरकार द्वारा गठित टीम कोशी बराज का निरीक्षण कर मंगलवार की शाम वाल्मीकि नगर पहुंची।गंडक बराज के निरीक्षण करने आई टीम में दिल्ली से सी डब्लू सी के पूर्व चेयरमैन ए के बजाज, एन एच पी सी के पूर्व चेयरमैन राजीव सचदेवा,श्री सबरवाल, हैदराबाद से मंदापल्ली राजू,ग्वालियर से आर पी श्रीवास्तव, आई आई टी जोधपुर से प्रोफेसर आधार शरण, डब्लू आर डी मुंबई से राजेश श्रीवास्तव के अलावा पटना से सी डी ओ तथा भू अर्जन विभाग के अधिकारी के अलावा अधिक्षण अभियंता जल संसाधन विभाग वाल्मीकि नगर राजीव कुमार, गंडक बराज के कार्यपालक अभियंता मो. इकबाल अनवर, सहायक अभियंता यांत्रिक जितेंद्र कुमार,सहायक गंडक बराज अभियंता सुजीत कुमार,कनीय अभियंता प्रमोद कुमार सिंह यांत्रिक कनीय अभियंता विवेक गौरव के अलावा कई अभियंता मौजूद रहे ।

श्रद्धालुओं की भीड़ संभालने असफल क्यों

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में आठ श्रद्धालु मर गये तथा तीस से अधिक गंभीर घायल बताए जा रहे हैं। यह मंदिर पहाड़ी पर है, जहां पहुंचने के लिए आठ सौ सीढ़ियां हैं। मृतकों में चार उप्र के व एक-एक बिहार व उत्तराखंड के बताए जा रहे हैं। सावन माह में मंदिर में भारी भीड़ होती है। बताया जा रहा है कि मंदिर से करीब सौ मीटर पहले ही धक्का-मक्की के चलते करीब लटक रहे तार को सहारे के लिए लोगों ने पकड़ने की कोशिश की, जिससे करेंट लगने से अफरा-तफरी मच गई। हड़बड़ाहट में कुछ लोगों के गिरते ही भगदड़ मच गई। हरिद्वार की शिवालिक पहाड़ियों पर बना यह मंदिर बिल्व पर्वत पर पौड़ी से तीन किलोमीटर दूर है। महंत इसे मंदिर परिसर के भीतर नहीं हुई घटना कह कर हाथ झाड़ रहे हैं और सरकार ने मुआवजा घोषित कर रस्म अदा कर दी। इसी समय उप्र के बाराबंकी के औसानेर मंदिर में मची भगदड़ में दो की मौत हो गयी। मृतक के भाई का आरोप है, वहां तार सुलगते देखा गया था। पूजास्थलों में चढ़ावा और श्रद्धालुओं को बटोरने की होड़ किसी से छिपी नहीं है। स्थानीय प्रशासन या राज्य सरकारें श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने का जिम्मा सलीके से लेने में क्यों असफल हैं। महीना भर पहले ही पुरी में रथ-यात्रा के दौरान मची भगदड़ में तीन भक्तों की मौत हुई है। उससे पहले गोवा में मंदिर उत्सव में भगदड़ में छह मरे थे और इसी जनवरी में तिरुपीति में भी छह श्रद्धालु कुचल कर मारे गए थे। देश के विभिन्न धर्मस्थलों में प्रतिवर्ष होने वाले इन धार्मिक आयोजनों के बारे में सबको पहले से खबर होती है। दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला मुल्क अपने बाशिंदों की जान को लेकर कितना संवेदनहीन हो रहा है। खासकर धर्म को अपना मुख्य एजेंडा बनाने वाली सत्ताधारी पार्टी का जिम्मा है कि वह भक्तों की सुरक्षा के प्रति लापरवाह रवैया बदले। किसी भी बड़े धार्मिक उत्सव/त्योहार को लेकर आयोजकों, मंदिर व्यवस्थापकों व स्थानीय प्रशासन व पुलिस को चेतावनी देनी होगी। समाज में धर्मपरायण व मान्यताओं के प्रति अगाध श्रद्धा रखने वालों की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। विशेष अवसरों पर पूजा-अर्चना करने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती ही है। प्रशासन व पुलिस को भीड़ संभालने का प्रशिक्षण दिया जाए। भगदड़ जैसी घटनाएं घोर लापरवाही की श्रेणी में आती हैं।

अमेरिकी छलः स्वयं रूस पर निर्भर और भारत को दे रहा टैरिफ की धमकी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपना पुराना स्वर अलापा है, वही बहाना, पहले की तरह रूस-यूक्रेन युद्ध। ट्रंप ने कहा, "भारत न केवल भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि खरीदे गए अधिकांश तेल को खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेच भी रहा है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि रूसी युद्ध मशीन द्वारा यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इस कारण से, मैं भारत की ओर से अमेरिका को दिए जाने वाले टैरिफ में भारी वृद्धि करूंगा।" अब कहने वाले कहेंगे कि रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने और उसका वैश्विक श्रेय लेने के लिए ट्रंप ने भारत के खिलाफ तीखा रुख अपना लिया है। पर क्या यह वाकई सच है? क्योंकि यदि ऐसा होता तो सबसे पहले वे स्वयं अपने यहां रूस से आयातित सभी सामानों पर ब्रेक लगाते और उन्हें प्रतिबंधित करते, लेकिन यह नहीं हो रहा है। पाकिस्तान पर भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद ट्रंप आए दिन भारत को लेकर कोई न कोई टिप्पणी कर रहे हैं। जिसमें उनकी एक गंभीर टिप्पणी हाल ही में ब्रिक्स समूह में भारत की सक्रिय भूमिका और रूस से दोस्ती की आलोचना के रूप में भी देखने को मिली, जिसमें वह यहां तक गिर गए कि वह भारत के लिए कह बैठे, "वे अपनी मरी हुई अर्थव्यवस्थाओं को साथ लेकर डूब सकते हैं।" भारत की शुल्क नीति को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देखा कि उनकी बातों का भारत पर कोई असर नहीं हो रहा है तो उन्होंने अपनी पूरी टीम ही विदेश सचिव मार्को रूबियो, वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट और अब व्हाइट हाउस में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर को भी भारत के विरोध और उस पर दबाव बनाने के लिए मैदान में उतार दिया है। ये सभी अलग-अलग तरीके से आज रूस से भारत की ऊर्जा खरीद को लेकर भारत की नीति की न सिर्फ भर्त्सना कर रहे हैं, बल्कि (भारत-रूस) संबंधों को अमेरिका और भारत के बीच के संबंधों के लिए एक कांटे के तौर पर चिन्हित कर रहे हैं। इधर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेतृत्व में भारतीय टीम है कि अमेरिका के किसी भी अनावश्यक दबाव के सामने नहीं झुकते हुए अपने रणनीतिक हितों के मुद्दे पर अंत-अत तक अडिग है। भारत आज अमेरिका की आंख में आंख डालकर पूछ रहा है कि तुम कैसे आतंकवाद का पोषण करने वाले पाकिस्तान के साथ डील कर सकते हो? भारत आज पूछ रहा है कि रूस से भारत क्या लेगा या नहीं, यह तय करने के पहले अपने यहां अमेरिका तुम तो रूस के सामान खरीदना और उस पर निर्भर रहना पहले बंद करो। वस्तुतः इस मामले में गंभीर पड़ताल करने पर बहुत से तथ्य सामने आ जाते हैं। जो अमेरिका आज भारत को ज्ञान दे रहा है, वह स्वयं क्या कर रहा है? वह रूस से हर रोज करोड़ों डॉलर का व्यापार कर रहा है। जिसमें कि यह आंकड़े उसके अपने ट्रेड के हैं, किसी ने छद्म रूप से नहीं गढ़े हैं। संयुक्त राष्ट्र के COMTRADE डेटाबेस के अनुसार, 2024 में अमेरिका ने रूस से कुल 3.27 अरब डॉलर (लगभग 24,000 करोड़) का सामान आयात किया। उर्वरक (Fertilizers) $1.30 बिलियन के जोकि कृषि उद्योग के लिए आवश्यक हैं। रत्न, कीमती धातुओं में पैलेडियम, प्लेटिनम, हीरे आदि $878.1 मिलियन के खरीदें। अकार्बनिक रसायन, कीमती धातु यौगिक जोकि अमेरिका में रासायनिक उद्योग के लिए आवश्यक हैं वह $695.7 मिलियन के आयात किए। लकड़ी और लकड़ी उत्पाद जिसका उपयोग अमेरिका में निर्माण और फर्नीचर उद्योग के लिए होता है वह $89.4 मीलियन। परमाणु रिएक्टर, बॉयलर, मशीनरी, जिन्हें ऊर्जा क्षेत्र के लिए आवश्यक माना गया है, वह $80.8 मिलियन। खाद्य उद्योग के अवशेष, पशु आहार पशुपालन और कृषि उद्योग के लिए$39.9 मिलियन। अन्य धातुएं, सेरामिक्स विभिन्न उद्योगों के लिए $37.3 मिलियन । विमान और अंतरिक्ष यान, रक्षा और परिवहन उद्योग के लिए $34.9 मिलियन। लोहा और इस्पात जोकि अमेरिका में निर्माण और औद्योगिक उपयोग के लिए जरूरी है वह $13.2 मिलियन एवं अन्य विविध वस्त्र विभिन्न उद्योगों के लिए अति आवश्यक हैं, वह $10.9 मिलियन डॉलर में आयात मूल्य देकर अमेरिका द्वारा रूस से समय-समय पर मंगवाया गया है।

साल 2025 के पहले पांच महीनों में यूएस ने 2.1 अरब डॉलर का सामान आयात किया– इसी प्रकार से इस साल भी रूस से अनेक सामान आयात किए जा रहे हैं। 2025 के पहले पांच महीनों में, अमेरिका ने रूस से लगभग 2.1 अरब डॉलर का सामान आयात किया, जिसमें प्रमुख रूप से समृद्ध यूरेनियम (लगभग $596 मिलियन) और बिना परिष्कृत पैलेडियम (लगभग $502 मिलियन) शामिल हैं। अभी भी अमेरिका का रूस से आयात मुख्य रूप से कृषि, रसायन, धातुएं और ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित है। कुछ विशेष वस्तुओं की आपूर्ति

आज भी अमेरिकी उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण बनी हुई है। अमेरिका की तरह कुछ अन्य देशों की भी तुलना की जा सकती है, हालांकि इसका वर्तमान में बहुत औचित्य नहीं लेकिन भविष्य में बहुत है, क्योंकि हो सकता है अमेरिका अन्य देशों से भी भारत पर दबाव बनाने को कहे। ऐसे में यह तथ्य भी जानना जरूरी है।

अमेरिका की तरह यूरोप भी कई सामानों के लिए है रूस पर निर्भर– यूरोपीय संघ, रूस से गैस (पाइपलाइन)- 2024 की स्थिति में लगभग 49.5 bcm, और LNG (तरल गैस) के रूप में अतिरिक्त 24.2 bcm आयात हुए, जिससे रूस अब यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा LNG आपूर्तिकर्ता बन गया है (क़तर के बाद)। वहीं, 2025 Q2 (अप्रैल–जून) में, EU ने रूस से LNG का लगभग 51% आयात किया और पाइपलाइन गैस का लगभग 37% हिस्सा रूस से था। 2025 की पहली पाँच महीनों में EU ने 2.57 मिलियन टन रुसी मेटल उत्पाद (semi-finished metals, pig iron, steel) आयात किए, जिसकी कुल कीमत €1.06 B रही, वह रूस को अदा की। जनवरी 2025 में Pig Iron की आयात मात्रा 474,540 टन तक पहुँच गई थी, इसमें प्रमुख देश थे; इटली (347,730 टन), लातविया, स्पेन, बेल्जियम, पोलैंड । वस्तुतः आज जो देश रूस पर सार्वजनिक रूप से प्रतिबंध (Sanctions) लगाने की बात करते हैं, विशेषकर G-7 देशों और यूरोपीय संघ- वे अब भी रूस से कुछ महत्वपूर्ण वस्तुओं का आयात कर रहे हैं। यह स्थिति आर्थिक विवशता, ऊर्जा की निर्भरता, और कुछ हद तक strategic ambiguity का नतीजा है। अमेरिका के अलावा जर्मनी, इटली, फ्रांस, नीदरलैंड्स, स्पेन, बेल्जियम, जापान, दक्षिण कोरिया और तुर्की शामिल हैं, जिसमें कि तुर्की तो औपचारिक रूप से NATO सदस्य पर रूस के साथ अत सक्रिय व्यापार करता नजर आता है। आज यह सर्वविदित है कि एलएनजी (Liquefied Natural Gas) और गैस का यूरोप में रूस से होनेवाला आयात 2024 और 2025 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है। फ्रास, स्पेन, और बेल्जियम 2025 की पहली छमाही में रूस से सबसे ज़्यादा LNG आयात करने वाले देश हैं। EU की कुल LNG का 51% हिस्सा 2025 में रूस से आया।अपने फायदे के लिए यूरोपीय देश रूसी LNG को "प्रत्यक्ष प्रतिबंध" में शामिल नहीं करते क्योंकि इसे ऊर्जा सुरक्षा का मामला बताया जाता है। इस तरह से देखें तो युरोप का कोई देश नहीं जो कम या अधिक आज रूस पर अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए निर्भर नहीं हो। यानी सभी रूस पर निर्भर नजर आते हैं।

अमेरिका की दोहरी नीति, इन देशों पर है चुप्पी, विदेश मंत्रालय का पलटवार– वस्तुतः अमेरिका इन देशों से कुछ नहीं कहता कि वे अपना व्यापार रूस के साथ बंद करें लेकिन भारत पर तमाम प्रकार से दबाव बना रहा है। ऐसे में भारत सरकार ने भी फिर एक बार ऑकड़ों के साथ स्पष्ट कर दिया है कि दो तरह की नीति अमेरिका की नहीं चलेगी और वह किसी भी दबाव में आना वाला नहीं है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने जोरदार पलटवार किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत को निशाना बनाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। भारत के आयात का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अनुमानित और किफायती ऊर्जा लागत सुनिश्चित करना है। वैश्विक बाज़ार की स्थिति के कारण ये एक अनिवार्य आवश्यकता है। विदेश मंत्रालय स्पष्ट बोल रहा है कि यह उजागर होता है कि भारत की आलोचना करने वाले देश स्वयं रूस के साथ व्यापार में लिप्त हैं। हमारे मामले के विपरीत, ऐसा व्यापार कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बाध्यता भी नहीं है। यूरोप-रूस व्यापार में न केवल ऊर्जा, बल्कि उर्वरक, खनन उत्पाद, रसायन, लोहा और इस्पात तथा मशीनरी और परिवहन उपकरण भी शामिल हैं।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

गिरिराज सिंह

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है।स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं।ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं। टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है।ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है।निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है।उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत,रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है।ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं।जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है। भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है।इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल और 'आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है।'कौशल भारत और 'डिजिटल भारत जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं। इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है।वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष,पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है।यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है। हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है।को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है। इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाज़ारों के लिए नए डिज़ाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिज़ाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के ज़रिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है।अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है।वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22त्न हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19त्न अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59त्न ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है।आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है।जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है। वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है।हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार।इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं।ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं।संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है।इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है। भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है।भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेज़ी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है।इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है। वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय मेंभारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है,यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है।बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं।यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दर्शाता है।

धराली आपदाः यह हम सभी के चेत जाने का समय है

डॉ. प्रियंका सौरभ

यह अजीब विडंबना है कि जब कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो हम सिर्फ़ मरने वालों पर शोक प्रकट करते हैं जबकि जिनके लालच, उपेक्षा और मूर्खता से वह आपदा आई, उन पर सवाल उठाने का साहस नहीं करते। एक नदी के बहाव में बहे मकानों और दुकानों को देखकर हम आंसू तो बहाते हैं, लेकिन क्या हम उस कुकर्म पर विचार करते हैं जिसने नदी की गोद में घर बनवा दिए? आज भारत के पहाड़ों से लेकर मैदानों तक, हर जगह मनुष्य का प्रलोभन ही विनाश का बीज बन चुका है। हाल की घटनाएं- उत्तरकाशी, जोशीमठ, केदारनाथ, किन्नौर या हिमाचल की तबाही- सभी हमें याद दिलाती हैं कि जब मनुष्य अपने हित में प्रकृति की रेखाएं मिटा देता है, तो नदी, पहाड़, बादल और धरती एक दिन सबकुछ वापस ले लेते हैं। मेरे घर के पास एक छोटा-सा रेस्तरां है। उसके नल से दिन-रात पानी टपकता रहता है। मैंने कई बार कहा, लेकिन उन्हें फर्क नहीं पड़ा। एक ढीला वॉशर बदलने से समस्या हल हो सकती है, लेकिन सौ-पचास रुपये की मरम्मत उनके लिए बेमतलब है। पानी बहता है, तो बहता रहे। क्या यह एक रेस्तरां तक सीमित लापरवाही है? बिल्कुल नहीं। यह प्रतीक है उस मानसिकता का जो कहती है- "जो हो रहा है, होने दो। हमें क्या फर्क पड़ता है?" इस सोच के कारण हर दिन लाखों लीटर पानी व्यर्थ जाता है, गाड़ियों से निकलती धुआं-संस्कृति जारी रहती है, कचरे में दम तोड़ती गायें खड़ी रहती हैं और हिमालय की छाती पर रिसॉर्ट्स उगते रहते हैं। भारत का हिमालय क्षेत्र न सिर्फ़ भौगोलिक, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी हमारी धरोहर है परंतु अब वह पर्यटन का बाजार बन चुका है। पहाड़ों की आत्मा शांति थी, अब वह शोर में डूब चुकी है। दो दिन की छुट्टी मिलते ही लाखों लोग सेल्फी, शराब और शोरगुल की भूख लिए हिमालय पर टूट पड़ते हैं। वे वहां शांति खोजने नहीं जाते, बल्कि वहां भी उसी बाजार को बसाना चाहते हैं जिससे भागने का दावा करते हैं। रिसॉर्ट, होटल, रेस्टोरेंट, पार्किंग, रोड- हर जगह अतिक्रमण है। पहाड़ की सीमित सहन शक्ति की कोई चिंता नहीं। जिस ज़मीन को सदियों से पेड़ों ने थामा हुआ था, वहां अब कंक्रीट की मोटी परतें बिछ गई हैं। जब बरसात आती है, तो वह ज़मीन अपने भीतर पानी को नहीं समेट पाती- परिणामस्वरूप, वही जल वेग बनकर जान लेता है। बादल फटते हैं, बाढ़ आती है और हम सोशल मीडिया पर दुख प्रकट करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हम पूछते हैं कि उस बाढ़ ने रास्ता क्यों बदला? क्या वह प्राकृतिक था या उसे रोका गया था? नदियाँ सदियों से बहती आई हैं, उन्होंने अपने लिए रास्ता बनाया है। लेकिन जब हम घाटी में मकान बना लेते हैं, नदी के किनारे होटल ठोक देते हैं, तो वह नदी अपने रास्ते पर दोबारा लौटेगी ही। उत्तरकाशी की हालिया त्रासदी में पूरा गांव बह गया। लेकिन वह गांव पहाड़ों की गोद में नहीं था- वह नदी के पाट में बना था। यह कोई

आस्था नहीं थी, यह लालच था। लालच कभी सुरक्षित नहीं रहता। कठोर शब्द हैं, लेकिन सच यही है कि हम एक संवेदनहीन समाज में तब्दील हो चुके हैं। हम आपदाओं को रोकने के बजाय उनका इंतज़ार करते हैं ताकि मीडिया को दृश्य मिलें और सरकारें मुआवज़े का तमाशा कर सकें। हमने पर्यावरण को सिर्फ़ एक 'डॉक्युमेंट' बना दिया है। नीति आयोग से लेकर नगर पंचायत तक, हर स्तर पर विकास का मतलब अतिक्रमण हो गया है। क्या यह दुखद नहीं कि पहाड़ों पर हो रही तबाही के बीच भी लोग 'डील' खोज रहे हैं- "इस सीजन होटल सस्ते मिल जाएंगे"? क्या हमने चेतना खो दी है? दिल्ली के डीएनडी फ्लाईओवर पर एक ऑटो चालक ने मुझे बताया कि उसने किसी को यमुना में प्लास्टिक की बोतल फेंकते देखा और बहुत दुखी हुआ। एक छोटे इंसान की बड़ी भावना! लेकिन क्या उस भीड़ को कोई समझा सकता है जो हर नदी, हर घाट, हर पहाड़ को बस 'घूमने की जगह' समझती है? हमारी आंतरिक यात्रा कभी शुरू ही नहीं होती। हम गाड़ी में बैठकर पहाड़ तक तो पहुंच जाते हैं लेकिन हमारे अंदर का इंसान वहीं के वहीं मैदान में पड़ा रहता है- लालची, उपभोगी और शोरगुल में डूबा। रेस्तरां का टपकता नल भले ही प्रतीकात्मक हो लेकिन यह उसी उपेक्षा का प्रतीक है जो हमने हिमालय और पर्यावरण के साथ बरती है। हम जिस संसाधन को रोज़ टपकने देते हैं- पानी, हवा, हरियाली, मिट्टी, हिमनद- वे एक दिन सूख जाएँगे। फिर नल नहीं टपकेगा, तब शायद उसमें से हवा भी न निकले। हम गाय को कचरा खिला कर भी उससे दूध की उम्मीद रखते हैं। हम पेड़ काट कर भी चाहते हैं कि बारिश हो। हम नदी को नाला बनाकर भी उससे आचमन की कामना करते हैं। क्या यह पाखंड नहीं है? अब समय मौन शोक का नहीं, चेतने का है। अगर हम नहीं चेते, तो अगली बार कोई नदी, कोई पहाड़, कोई हवा, कोई भूचाल हमें बख्शेगा नहीं। हमें पुनर्विचार करना होगा कि क्या हम अपने छोटे-छोटे प्रलोभनों को तिलांजलि देने को तैयार हैं? क्या हम पर्यावरणीय संतुलन को विकास की नींव बना सकते हैं? क्या हम 'घूमने' की जगह 'जुड़ने' की भावना से प्रकृति के पास जा सकते हैं? मैं हिमालय नहीं जाती, न ही अपनी यात्राओं को पहाड़ों पर थोपती हूँ। यह कोई त्याग नहीं, सिर्फ़ समझदारी है। मैं विंध्याचल और अरावली की छोटी पहाड़ियों से संतुष्ट हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि हिमालय की छाती पहले ही विदीर्ण है- उसे और कष्ट देना अब पाप है। जब तक हम विकास को सिर्फ़ भवनों और दुकानों में मापते रहेंगे, तब तक विनाश हमारा पीछा नहीं छोड़ेगा।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी। आज आप परिवार के साथ बाहर मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आज आप दोस्तों की बर्थडे पार्टी मे जायेंगे जहां बाकी दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करने का मौका मिलेगा। आज आप नई स्किल सीखने का विचार कर सकते हैं, जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपके ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है, जिससे आपको ओवर टाईम करना पड़ सकता है। आज आप रुपए–पैसों के मामले में लापरवाही न करें और सारी चीजें अच्छे से चेक करें। आज टूर एंड ट्रेवल्स के बिजनेस में आपको अच्छा लाभ होगा। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ुशी से भरा रहेगा। आज आपको सरकारी कार्यों में सफलता मिलने से मन संतुष्ट होगा। आज आप बच्चों के साथ घूमने जा सकते हैं, जहां आप अच्छा समय बितायेंगे। इस राशि की महिलाओं के लिए दिन बहुत ही अनुकूल है, आप पारिवारिक और ऑफिस की गतिविधियों में उचित सामंजस्य बनाकर रखने में कामयाब रहेंगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज प्राइवेट क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं। आज आप घरवालों के साथ अच्छा समय बितायेंगे, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे काम समय पर पूरा हो जायेगा। आज लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपको व्यापारिक दृष्टि से अच्छा लाभ होगा और आपके क्लाइंट के साथ रिश्ते बेहतर बनेंगे। आज आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप लम्बे समय तक स्वस्थ रहें इसके लिए आज आपको अच्छा डाइट प्लान तैयार कर लेना चाहिए।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए मिली – जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है, बिजनेस में आपको अच्छी डील मिलने वाली है। आज आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों में हाथ बटायेंगे। आज मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप बिजनेस में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जिससे आपको अच्छा लाभ होगा। आज का दिन राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के लिए फेवरेबल रहेगा। आज आप बिजनेस को आगे ले जाने के लिए ऑफिस में चल रही जरुरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप एकाग्र मन से काम करेंगे, जिससे आपका काम सही समय पर पूरा हो जायेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ किसी अच्छे होटल में डिनर करने जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से बचें, हो सके तो किसी की सहायता ले-लें। आज नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों को अधिकारियों से मदद मिलेगी, जिससे काम का बोझ कम हो जायेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यदि आप घर खरीदने का विचार कर रहे हैं तो आज आपको शुभ समाचार मिलेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं, जिसे आप बहुत अच्छे से पूरा करेंगे। आज डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को ज्यादा पढ़ाई करने की जरूरत है।

मकर राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। आज बिजनेस में आपको अच्छा लाभ होगा, जिससे आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने का मन बनाएंगे। आज आप अपने भाई-बहनों को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं जिससे उनको ख़ुशी मिलेगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नयी योजनाएं भी बनाएंगे जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। आज आपका अधिकतम समय धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यतीत होगा। आज आप अपने कार्यों को जितनी मेहनत और लगन से करेंगे उसी के अनुरूप आपको उचित परिणाम हासिल होंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा। आज बैंक में कार्यरत व्यक्ति अपना काम समय से निपटा लेंगे। आज सामाजिक कार्यों में आपका योगदान बना रहेगा, जिससे आपकी समाज में पहचान बढ़ेगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से सीरीज में भारतीय टीम को रखना होगा इन बातों का ध्यान

मुम्बई । शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज ड्रॉ करा दी है लेकिन विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2027 चक्र को देखते हुए भारतीय टीम को आगे के मुकाबलों में जीत दर्ज करनी होगी। भारत को अगली टेस्ट सीरीज वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से अक्टूबर-नवंबर में खेलनी है। ऐसे में टीम के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखना जरुरी है। इसमें सबसे पहला तो ये है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तरोताजा रहें। बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के तीन ही मैच में हिस्सा ले पाए। बुमराह तीनों प्रारुपों में भारतीय टीम का अभिन्न अंक है। भारत को आगामी समय में एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप जैसे व्हॉइट बॉल टूर्नामेंट भी खेलने हैं। ऐसे में गिल-गंभीर बुमराह को टेस्ट क्रिकेट के लिए कैसे तरोताजा रखना है इस बात का ध्यान कप्तान और कोच को रखना होगा। इसके अलावा दूसरा ये है कि लिए नंबर तीन पर किये उतारा जाएगा। इस बात का भी ध्यान रखना होगा। इंग्लैंड दौरे पर साई सुदर्शन और करुण नायर को नंबर-3 पर खेलने का मौका मिला पर दोनो ही सफल नहीं रहे। साई सुदर्शन ने 6 पारियों में 23.33 की औसत के साथ 140 रन बनाये। वहीं करुण नायर ने 8 पारियों में 25.62 की औसत के साथ 205 रन बनाए। इस दौरान दोनों बल्लेबाज 1-1 पर अर्धशतक ही लगा पाये। इसके अलावा किस स्पिनर को रखा जाये ये भी तय करना होगा। तीसरा सवाल किस ऑलराउंडर को रखे इसको लेकर है। इसके अलावा चौथा सवाल स्पिनर को लेकर है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को उनकी बल्लेबाजी के कारण इंग्लैंड दौरे पर अवसर मिला, मगर भारत को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी धरती पर सीरीज खेलनी है। ऐसे में टीम अगर कम बल्लेबाज भी रखे तो भी उसे परेशानी नहीं होगी। ऐसे में स्पिनर कुलदीप यादव को अवसर दिया जा सकता है। कुलदीप को इंग्लैंड दौरे पर मौका नहीं दिया गया, वहीं जब मैच घर पर होंगे तो अक्षर पटेल का नाम भी टीम में जरूर होगा। भारत ज्यादा से ज्यादा तीन स्पिनर को मौका दे सकता है। अब देखना होगा कि किसको अवसर मिलता है। वहीं इंग्लैंड दौरे पर ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी और शार्दुल ठाकुर दोनों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में किसे अवसर दिया जाये ये भी एक सवाल है। ये दोनो ही तेजी से बल्लेबाजी करने में भी सक्षम है।

पाक के लिए भारत से मुकाबला करना बेहद मुश्किल : राशिद लतीफ़

लाहौर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ़ ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ 14 सितंबर को होने एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान की राह बेहद कठिन है। राशिद के अनुसार भारतीय टीम अभी अपने शीर्ष स्तर पर है, ऐसे में पाकिस्तान को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। लतीफ ने कहा, 14 सितंबर को एक मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ खेलना पाकिस्तान के लिए बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार के खराब दौर से पाक टीम गुजर रही है, उसमें वह ये ही उम्मीद कर सकते हैं कि टूर्नामेंट ठीक से आगे बढ़े। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि हाल के दिनों में पाक का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। इसी कारण टीम की तैयारियों की कड़ी आलोचना हो रही है। उन्होंने कहा, हमारी क्रिकेट पिछले कुछ समय से हवाबाजी में चल रही है। हमे बांग्लादेश और वेस्टइंडीज जैसी टीमों से हार का सामना करना पड़ा है। हम ऐसे मैच जो हमें कभी नहीं हारने चाहिए थे। हमारा कप्तान अच्छा हो सकता है पर तीनों प्रारुपों में समन्वय बिठाना आसान नहीं है। हमारे पास प्रतिभा है पर हम अभी तक सही फैसले नहीं ले पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाक को बांग्लादेश और वेस्टइंडीज की दूसरी श्रेणी की टीम के खिलाफ भी हार मिली है जिससे एशिया कप जैसे उच्च दबाव वाले टूर्नामेंट के लिए उनकी तैयारी पर भी सवाल उठना तय हैं। पाक टीम अपने अभियान की शुरुआत 12 सितंबर को ओमान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद उसे यूएई में ग्रुप-स्तर के मुक़ाबले में भारतीय टीम से खेलना है। लतीफ ने कहा, हमारे पास प्रतिभाएं तो है पर क्रियान्वयन और सही फैसले लेना सबसे जरूरी चीजें हैं, ख़ासकर भारत जैसी टीम के खिलाफ। उन्होंने आगे कहा कि अगर पाकिस्तान को भारतीय टीम को चुनौती देनी है तो उसे मुश्किल हालात से बेहतर तरीके से निपटना सीखना होगा। भारत-पाक मैचों पर सभी का ध्यान रहता है ऐसे में लतीफ को उम्मीद है कि पाकिस्तान समय के साथ अपनी लय फिर से हासिल कर सकता है।

सिराज सेना देशों में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों में शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अब दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड (सेना) देशों में सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों में शामिल हो गये हैं। सिराज ने ये उपलब्धि इंग्लैंड में अंतिम टेस्ट में पांच विकेट लेने के साथ ही अपने नाम की है। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाजों शोएब अख्तर, इमरान खान और वकार यूनुस का रिकार्ड तोड़ दिया। तीनों ने सेने देशों में टेस्ट मैचों में जीत में तीन-तीन बार पांच विकेट हॉल लिए थे।

अब तक सिराज ने सेना देशों में टेस्ट जीत के दौरान चार बार पांच विकेट लिए हैं। इससे पहले इस सूची में भारत के ही जसप्रीत बुमराह और पाकिस्तान के वसीम अकरम सबसे आगे थे, जिन्होंने पांच-पांच बार यह उपलब्धि हासिल की थी। बुमराह और अकरम दोनों ही इस मामले में संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। ओवल टेस्ट में सिराज ने कुल 9 विकेट अपने नाम किए, जिसमें दूसरी पारी का शानदार पांच विकेट हॉल भी शामिल था। उनके शानदार प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 6 रनों से हराया और पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही। इस मैच में सिराज को उनके ऑलराउंड गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवार्ड भी मिला।

सचिन ने शुभमन की जमकर प्रशंस की

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ जिस प्रकार की निरंतरता कप्तानी के साथ ही रन बनाने में दिखायी है वह सराहनीय है। उन्होंने अच्छी गेंदों का सम्मान करते हुए बड़ी पारियां खेलीं। शुभमन ने कप्तान के तौर पर टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का 732 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ा। अब इस मामले में शुभमन से आगे केवल ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमेन 810 रन हैं। शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं हालांकि वह गावस्कर के एक टेस्ट सीरीज में 774 रनों के रिकार्ड को तोड़ने में विफल रहे। उनकीकप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड से 2-2 से सीरीज बराबर करने में सफल रही है। तेंदुलकर ने कहा, 'शुभमन ने पूरी सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की। अच्छी बल्लेबाजी के लिए सोच में स्पष्टता और रणनीति होना जरूरी है। उनकी सोच में निरंतरता बनी हुई थी जो उसके फुटवर्क में दिखी। बल्लेबाजी में उनका नियंत्रण बरकरार था। उन्होंने अच्छी गेंदों का सम्मान किया।' वहीं सचिन ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे उनका रवैया पसंद आया।

सिराज कमाई में भी काफी आगे

मुम्बई । इंग्लैड के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज खेल के साथ ही कमाई में भी काफी आगे हैं। जिस प्रकार से सिराज का प्रदर्शन बेहतर होता जा रहा है, उससे उनकी ब्रांड वेल्यू बढ़ रही है जिसका सीधा असर कमाई पर भी हो रहा है। आज के समय में सिराज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। बीसीसीआई से उनकी सालाना आय करोड़ों में है, वहीं आईपीएल और ब्रांड एंडोर्समेंट से भी उन्हें अच्छी कमाई होती है। उनके पास हैदराबाद में एक पॉश इलाके में आलीशान बंगला है। इसके अलावा उनके पास लग्जरी कारें भी हैं। बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध 2024-25 के तहत ही सिराज को ग्रेड-ए में शामिल किया गया है। इस वर्ग में शामिल खिलाड़ियों को सालाना 5 करोड़ रुपये मिलते हैं, इसके अलावा प्रत्येक मैच के लिए अलग से फीस भी दी जाती है। मैच फीस की बात करें तोः एक टेस्ट मैच के लिए 15 लाख रुपये भी मिलते हैं। वह कई विज्ञापन कंपनियों से भी जुड़े हैं। इसके अलावा निवेश व अपने रेस्टोरेंट से भी उनकी आय होती है। आनंद महिंद्रा ने उन्हें एक महिंद्रा थार गिफ्ट की थी। साल 2023 में, उन्होंने एक मर्सिडीज-बेंज जीएलएस 450 खरीदी, जो उनके कलेक्शन की सबसे महंगी कार है। ।

व्यापार

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया कोई बदलाव

रेपो रेट 5.5 फीसदी पर बरकरार, बेहतर इकॉनॉमिक की उम्मीद

नई दिल्ली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगस्त बैठक के नतीजों का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया गया है। वैश्विक स्तर पर चुनौतियां एवं टैरिफ को लेकर अनि श्चितता बनी हुई है। गवर्नर ने कहा कि फरवरी से अब तक 100 बेसिस प्वाइंट रेट कट हो चुका है। पॉलिसी दरों में कटौती पर ट्रांसमिशन जारी सभी सदस्यों ने न्यूट्रल रुख बरकरार रखा है। अनिश्चितता से दरों में ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला सरकार को बेहतर इकॉनमी की उम्मीद है। एक सर्वे में 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि समिति यथास्थिति बनाए रखेगी। वहीं कम से कम 10 उत्तरदाताओं ने 25 आधार अंकों (बीपी) की ब्याज दर में कटौती का अनुमान जताया था। केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से अब तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस साल जून की मौद्रिक नीति की बैठक में रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गयी थी। वहीं फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25-0.25 प्रतिशत की कमी की गयी थी। बता दें कि यह वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मॉनेटरी पॉलिसी है। इसके साथ ही तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक समाप्त हो गई। यह सोमवार, 4 अगस्त से शुरू हुई थी। ज्यादातर विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि आधार अंकों की कटौती के बाद रेपो दर को अपरिवर्तित रख सकती है। इस साल फरवरी और जून के बीच कुल 100 आधार अंकों की कटौती के साथ रेपो दर वर्तमान में 5.5 प्रतिशत है। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक कमर्शियल बैंकों को कर्ज देता है। यह दर सीधे ग्राहकों के कंज्यूमर को प्रभावित करती है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंक भी आमतौर पर अपने ऋणों की ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। इससे होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई महंगी हो जाती है। वहीं, यदि रेपो रेट घटती है, तो लोन सस्ते हो सकते हैं, लेकिन इससे सेविंग्स अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिटपर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है। जून में रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती की गई थी, जबकि फरवरी और अप्रैल में 25-25 बेसिस पॉइंट की कटौती हुई थी। इससे पहले लगातार 11 बैठकों तक रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

सोना और चांदी के भाव एक लाख के पार

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव बीते दो दिन सर्वोच्च स्तर छूने के बाद बुधवार को गिरावट के साथ खुले। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सुस्ती देखी जा रही है। घरेलू बाजार में सोने के भाव 1,01,150 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,13,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा कारोबार में सुस्ती, जबकि चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट बुधवार को 9 रुपये की गिरावट के साथ 1,01,329 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,01,338 रुपये था। फिलहाल यह 195 रुपये की गिरावट के साथ 1,01,143 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट बुधवार को 81 रुपये की गिरावट के साथ 1,13,433 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,13,504 रुपये था। फिलहाल यह 141 रुपये की गिरावट के साथ 1,13,363 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में भाव लुढ़क गए। चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,434.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,434.70 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 3.90 डॉलर की गिरावट के साथ 3,430.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 37.82 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 37.82 डॉलर था। इस समय यह 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 37.85 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ 87.73 डॉलर पर

रुपया मंगलवार को 22 पैसे की गिरावट के साथ 87.88 पर बंद हुआ था

मुंबई । रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे की बढ़त के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.72 पर खुला। फिर थोड़ी गिरावट के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंच गया और 22 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.71 पर आ गया।

आरबीआई के फैसले के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट

सेंसेक्स 100 अंक टूटा, निफ्टी 24,600 के स्तर पर

मुंबई , भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति एमपीसी ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनाए रखने का ऐलान किया। इस घोषणा के बाद बुधवार को सेंसेक्स लगभग 116 अंक गिरकर 80,600 के स्तर पर पहुंच गया। जबकि एनएसई निफ्टी50 इंडेक्स 50 अंक की गिरावट के साथ 24,600 के स्तर पर आ गया। आरबीआई की एमपीसी ने सर्वसम्मति से ब्याज दरों को यथावत रखने और मौद्रिक रुख को न्यूट्रल बनाए रखने के पक्ष में मतदान किया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कोर महंगाई दर 4 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून और अन्य अनुकूल परिस्थितियां देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन देना जारी रखे हुए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वह अगले 24 घंटों में टैरिफ में 'काफी भारी' बढ़ोतरी करेंगे क्योंकि भारत रूसी तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने आगे कहा कि भारत "एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं है। वहीं वॉल स्ट्रीट के साथ एशियाई शेयर बाजार में भी बुधवार को गिरावट दर्ज की गई। कमजोर अमेरिकी आंकड़ों से पता चला कि टैरिफ से आर्थिक गतिविधियों और आय पर नुकसान हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.61 प्रतिशत बढ़कर 8,824 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस बीच, जापान का निक्केई 225 0.12 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.64 प्रतिशत नीचे रहा। अमेरिका में मंगलवार को वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निवेशकों ने टैरिफ संबंधी चिंताओं और सेवा क्षेत्र के निराशाजनक आर्थिक आंकड़ों पर विचार किया।

जन-धन खाते की फिर करानी होगी KYC:योजना के 10 साल पूरे; RBI ने बैंकों को गांव जाकर फ्री में री-केवाईसी करने के निर्देश दिए

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया , ने आज 3 बदलावों की घोषणा की है। ये बदलाव जनधन स्कीम, इंश्योरेंस क्लेम रूल्स और निवेश से जुड़े हैं। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 अगस्त तक चली मीटिंग में इन बदलावों पर फैसला लिया गया। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज यानी 6 अगस्त को इसकी जानकारी दी। यहां 3 पॉइंट्स में समझिए आम आदमी से जुड़े बड़े बदलाव...1. जन धन योजना के लिए होगी re-KYC जन धन योजना के लिए विशेष अभियान जन धन योजना को 10 साल पूरे होने वाले हैं, और बहुत से अकाउंट होल्डर्स को अपना KYC अपडेट कराना है। इसे देखते हुए, RBI ने बैंकों को 1 जुलाई से 30 सितंबर तक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष कैंप लगाने का निर्देश दिया है। इन कैंपों में लोग अपना Re-KYC करा सकेंगे, नए खाते खुलवा सकेंगे, और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी ले सकेंगे। 2. डेड अकाउंट होल्डर्स के क्लेम्स के लिए एक प्रोसेस RBI ने डेड अकाउंट होल्डर्स के क्लेम्स सेटलमेंट के लिए यूनिफॉर्म प्रोसेस की घोषणा की है। अभी तक, हर बैंक के नियम अलग होते थे, जिससे परिवार वालों को कंफ्यूजन, सेटेलमेंट में देरी और परेशानी होती थी। जल्द ही सभी बैंकों के लिए मृत ग्राहकों के क्लेम सेटलमेंट (दावे के निपटारे) के लिए एक जैसे नियम लागू किए जाएंगे। नॉमिनी , कानूनी वारिस या परिवार के सदस्यों के लिए एक जैसी प्रक्रिया और एक जैसे दस्तावेज होंगे। इससे बैंक में क्लेम करना और पैसे निकालना आसान हो जाएगा। 3. सरकारी बॉन्ड में निवेश होगा ऑटोमैटिक RBI ने रिटेल निवेशकों (आम लोगों) के लिए सरकारी बॉन्ड्स (ट्रेजरी बिल्स या T-bills) में निवेश करना सरल बना दिया है। RBI के 'रिटेल डायरेक्ट' पोर्टल पर एक नया 'ऑटो-बिडिंग' फीचर जोड़ा गया है।

सोनाक्षी सिन्हा की पहली तेलुगु फिल्म जटाधारा का पोस्टर जारी, 8 अगस्त को रिलीज होगा टीजर

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछली बार फिल्म निकिता रॉय में नजर आई थीं, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। आने वाले समय में सोनाक्षी एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगी। इन्हीं में एक है जटाधारा, जिसके लिए सोनाक्षी को साउथ के स्टार सुधीर बाबू का साथ मिला है। अब जटाधारा का पहला पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें सोनाक्षी और सुधीर की झलक दिख रही है।

पोस्टर में सोनाक्षी का रौद्र रूप दिख रहा है, वहीं सुधीर का भी धाकड़ अवतार दिख रहा है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए सोनाक्षी तेलुगु सिनेमा में कदम रखने वाली हैं। जटाधारा की टीजर 8 अगस्त, 2025 को रिलीज होगा। फिल्म में सोनाक्षी को एक सशक्त और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है। जटाधारा एक्शन और सस्पेंस से भरपूर एक मनोरंजक फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जटाधारा, ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा के बीच एक महत्वपूर्ण सहयोग का प्रतीक है, जिन्होंने पहले टॉयलेट: एक प्रेम कथा और पैडमैन जैसी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फ़िल्मों का निर्माण किया है। फ़िल्म की निर्माण टीम में उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा शामिल हैं, जबकि सह-निर्माता अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा हैं। रचनात्मक निर्माता दिव्या विजय हैं। अपने आकर्षक पोस्टर और आशाजनक कहानी के साथ, जटाधारा प्रशंसकों के बीच काफ़ी चर्चा बटोर रही है। भारतीय पौराणिक कथाओं, ज़बरदस्त एक्शन और विश्वस्तरीय वीएफएक्स के मिश्रण से फ़िल्म को एक सिनेमाई तमाशा बनाने की उम्मीद है।

इस वजह से रुबीना दिलैक ने स्वीकारा पति पत्नी और पंगा का ऑफर

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री रुबीना दिलैक और उनके पति अभिनव शुक्ला पॉपुलर शो पति-पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने मां बनने के बाद शो का ऑफर क्यों स्वीकार किया। अभिनेत्री ने बताया, इस शो की कहानी उनकी जिंदगी के नए दौर से मेल खाती है। साथ ही इस शो के जरिए उन्हें अपने पति अभिनव के साथ स्क्रीन पर नया अनुभव करने का मौका मिला। मां बनने के बाद मैं अपने पति के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती थी। कुछ मस्ती भी करनी थी, इसलिए मैंने यह शो किया। जब अभिनेत्री से पूछा गया, क्या रियलिटी शो स्क्रिप्टेड होते हैं? छोटी बहू फेम अभिनेत्री ने बताया, रियलिटी शो स्क्रिप्टेड नहीं होते, लेकिन उन्हें थोड़ा निर्देशित किया जाता है। अगर कोई चीज अच्छी चल रही हो, तो शो के निर्माता उसे और हाइलाइट करते हैं। यह स्क्रिप्टेड नहीं, बल्कि गाइडेड होता है। वहीं, अभिनेता अभिनव शुक्ला ने रियलिटी शो में स्क्रीन टाइम और रिश्तों की लंबी उम्र के बारे में भी बात की। उनके मुताबिक, रिश्ते में जितना ज्यादा स्क्रीन टाइम होता है, रिश्ता उतना ही कम समय तक चल सकता है। रुबीना ने उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा, अभिनव सही कह रहे हैं। जितना ज्यादा हम एक-दूसरे की बातों और सोच को स्वीकार करेंगे, रिश्ता उतना ही बेहतर होगा। एक अच्छा रिश्ता तब बनता है, जब हम एक-दूसरे को वैसे ही अपनाएं, जैसे हम हैं। जब हम ये समझते हैं कि हम अलग हैं और फिर भी एक-दूसरे की इज्जत करते हैं, तो रिश्ते में प्यार और समझ बढ़ती है। अभिनव शुक्ला ने बताया कि जब किसी बात पर बहस या मतभेद होता है, तो वह उसे संभालने का एक शांत तरीका अपनाते हैं। अभिनव ने कहा, जब हम दोनों के बीच झगड़ा होने लगता है, तो मैं थोड़ा पीछे हट जाता हूं, या फिर रुबीना को स्पेस देता हूं, थोड़ी देर बाद शांत होकर दोबारा उस बात पर चर्चा करता हूं, ताकि समस्या आसानी से सुलझ जाए। कुछ परेशानियां, कुछ घंटों में सुलझ जाती हैं, तो कुछ में ज्यादा समय लग जाते हैं।

प्रिटी वुमन अंकिता लोखंडे का पिंक सूट में स्टाइलिश अंदाज

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया पर स्टाइलिश लुक में तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अंकिता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मोंटाज पोस्ट किया, जिसमें वह गुलाबी रंग के सूट में बेहद खूबसूरत और कॉन्फिडेंट नजर आ रही हैं। लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने डायमंड चोकर, न्यूड मेकअप और कर्ली बालों को बन में स्टाइल किया। वीडियो में 1964 का मशहूर गाना ओह, प्रिटी वुमन बैकग्राउंड में ऐड किया है। वीडियो पोस्ट कर अंकिता ने कैप्शन में लिखा, हमेशा अपने प्रिटी वुमन टाइम में! हाल ही में अभिनेत्री ने कुकिंग और कॉमेडी रियलिटी शो लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड-2 में पति विक्की जैन के साथ हिस्सा लिया था। इस शो में उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, रीम शेख, सुदेश लेहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे स्टार्स नजर आए थे। शो को भारती सिंह ने होस्ट किया, जबकि हरपाल सिंह सोखी जज की भूमिका में थे। शो का दूसरा सीजन हाल ही में खत्म हुआ, जिसमें एल्विश यादव और करण कुंद्रा विजेता बने थे। शो के समापन पर अंकिता और विक्की ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें विक्की ने शो का हिस्सा बनने के लिए कलर्स चैनल को धन्यवाद दिया था, जबकि अंकिता ने कहा था कि वह लाफ्टर शेफ को बहुत मिस करेंगी, क्योंकि इस शो ने उन्हें एक परिवार दिया। दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए, उन्होंने लिखा, यह नोट लंबा है और हम दोनों की ओर से है... सबसे पहले, उन सभी दर्शकों को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने शो को इतना प्यार दिया। आपका प्यार हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कलर्स चैनल, साथी और प्रतियोगियों, होस्ट भारती सिंह और जज हरपाल सिंह सोखी को धन्यवाद दिया था। उन्होंने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद कलर्स टीवी और शीतल मैम, जिन्होंने हमें एक ऐसा परिवार दिया, जिसकी हमें जरूरत थी; यह हमने पहले कभी नहीं सोचा था।

बॉक्स ऑफिस पर सैयारा ने पार किया 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा, 18वें दिन हुई इतनी कमाई

इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं, लेकिन हाल ही में रिलीज हुई कुछ फिल्मों को दर्शकों से खास प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। उधर मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा लगातार बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। तीसरे सप्ताह में भी इसका जादू कायम है। फिल्म ने भारत में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। आइए जानें सैयारा ने 18वें दिन टिकट खिड़की पर कैसा प्रदर्शन किया। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सैयारा ने अपनी रिलीज के 18वें दिन यानी तीसरे सोमवार को 2.50 करोड़ रुपये जुटाए। इसी के साथ भारत में अब तक इस फिल्म ने 302.25 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में सैयारा का भी खूब डंका बज रहा है। दुनियाभर में इस फिल्म ने 460.15 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। फिलहाल फिल्म का बॉक्स ऑफिस से हिलना मुश्किल लग रहा है। सैयारा की कहानी वाणी बत्रा (अनीत पड्डा) और कृष कपूर (अहान पांडे) के इर्द-गिर्द बुनी गई है। वाणी एक ऐसी लड़की है, जिसका दिल टूट चुका है, जबकि कृष अपने बिखरे सपनों को फिर से जोड़ने की कोशिश में है। यह फिल्म दोनों की जज्बातों से भरी एक भावनात्मक प्रेम कहानी को दर्शाती है। सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद सैयारा का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होगा। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली यह यशराज फिल्म्स की पहली थियेट्रिकल फिल्म है।

पोस्टपोन हुई दिविता जुनेजा स्टारर हीर एक्सप्रेस की रिलीज डेट, अब 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

दिविता जुनेजा, प्रीत कमानी और आशुतोष राणा अभिनीत फिल्म हीर एक्सप्रेस इस महीने रिलीज होनी थी। यह 08 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी। मगर, अचानक इसकी रिलीज डेट में बदलाव कर दिया गया है। इस फिल्म के लिए दर्शकों को इंतजार करना होगा। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। फिल्म के नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट में बदलाव की जानकारी शेयर की गई है। पोस्ट के साथ लिखा है, कुछ यात्राएं प्रतीक्षा के लायक होती हैं। हीर एक्सप्रेस 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। चटपटे इमोशंस से भरे स्वाद वाली फिल्म का परिवार के साथ लुत्फ उठाने के लिए तैयार रहिए। फिल्म में निहारिका रायजादा, रोहित चौधरी, संजय मिश्रा और पंकज झा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म हीर एक्सप्रेस अगर 08 अगस्त को रिलीज होती तो बॉक्स ऑफिस पर आयुष कुमारी की फिल्म अंदाज 2 से इसका क्लैश होने वाला था। हालांकि, अब यह फिल्म सितंबर में रिलीज होगी। यह एक पारिवारिक फिल्म बताई जा रही है। फिल्म की कहानी महत्वाकांक्षी युवा शेफ हीर वालिया (दिविता जुनेजा) पर आधारित है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए विदेश जाती है। फिल्म में फैमिली ड्रामा, इमोशंस और लाइफ जर्नी को दिखाया गया है। अपना सपना पूरा करने के लिए हीर के विदेश जाने और

अपने कुकिंग स्किल्स के जरिए भारतीय व्यंजनों को विदेशों में पहुंचाने की कोशिश को दिखाया गया है। इस रास्ते में कई बाधाएं आती हैं। फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है।

120 बहादुर का टीजर जारी, मेजर शैतान सिंह भाटी की भूमिका में खूब जंचे फरहान अख्तर

इंडो-चाइना वॉर पर आधारित रजनीश घई की निर्देशित 120 बहादुर सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है. मेकर्स ने 120 बहादुर का टीजर जारी किया है, जो काफी दमदार है. फिल्म में बॉलीवुड एक्टर-फिल्म मेकर फरहान अख्तर अहम भूमिका निभा रहे है. यह फिल्म नवंबर 2025 में रिलीज होगी. 2021 में आई फिल्म तूफान के बाद फरहान अख्तर फिल्म 120 बहादुर के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं. दमदार पोस्टरों के बाद मेकर्स ने मंगलवार को एक 120 बहादुर का टीजर जारी किया, जिसमें फरहान भारतीय सेना के वर्दी पहने नजर आ रहे हैं. फिल्म में वह मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) की भूमिका निभा रहे हैं. रेजांग ला युद्ध पर आधारित, 120 बहादुर के टीजर ने साहस और बलिदान पर आधारित सिनेमाई युद्ध की एक झलक पेश की है. फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम

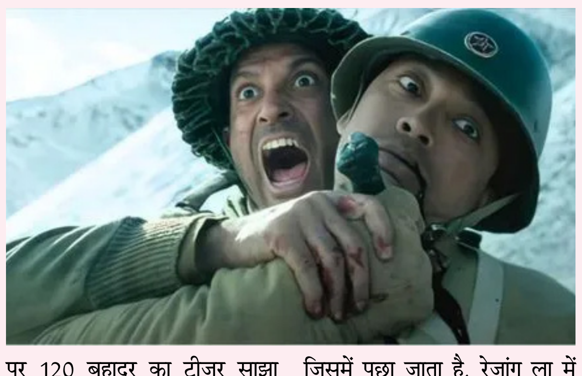

पर 120 बहादुर का टीजर साझा किया है. उन्होंने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, ये वर्दी सिर्फ हिम्मत नहीं, बलिदान भी मांगती है. बर्फ में गढ़ी और बलिदान से सजी एक अविश्वसनीय सच्ची कहानी पर आधारित फिल्म. 120 बहादुर का टीजर अभी रिलीज हुआ है. 21 नवंबर, 2025 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी. टीजर की शुरुआत एक सवाल से होता है, जिसमें पूछा जाता है, रेजांग ला में 18 नवंबर को आखिर क्या हुआ था. इसके बाद 1962 में हुई भारत-चीन के युद्ध की झलक दिखाई जाती है. टीजर में दिखाया गया कि कैसे -24 डिग्री के तापमान में भारतीय सेना चीन के होने वाले हमले की तैयारी में जुटे हुए थे. इस दौरान मेजर शैतान सिंह भाटी के साहस का परिचय दिखाया जाता है कि कैसे -24 डिग्री तापमान में वह दुश्मनों पर नजर जमाए हुए थे. टीजर में यह भी दिखाया गया कि कैसे उन्होंने 120 जवानों का नेतृत्व करते हुए लद्दाख की रखा की. मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) के रूप में फरहान टीजर में कहते हैं, हम पीछे नहीं हटेंगे. बता दें, भारतीय सेना की 13 कुमाऊं बटालियन के मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में रेजांग ला की लड़ाई भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच लड़ी गई थी. 120 बहादुर को रजनीश घई ने निर्देशित किया है. जबकि इसे रितेश सिधवानी-फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो) द्वारा निर्मित किया गया है. फिल्म में फरहान अख्तर के साथ राशि खन्ना अहम भूमिका में नजर आएंगी. यह फिल्म लद्दाख, राजस्थान और मुंबई में फिल्माई गई है. फिलहाल यह फिल्म 120 बहादुर 21 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

महावतार नरसिम्हा की बॉक्स ऑफिस पर दहाड़, कमाई 100 करोड़ आंकड़ा पार, किंगडम की कमाई ने किया निराश

पौराणिक महाकाव्य महावतार नरसिम्हा ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो पिछले 12 दिनों में इसकी प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। पहले दिन 1.75 करोड़ रुपये की मामूली शुरुआत के बावजूद, फिल्म ने मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ और सप्ताहांत में अच्छी कमाई के दम पर कलेक्शन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। फिल्म का सर्वोच्च एकल-दिवसीय आंकड़ा दूसरे रविवार को आया, जहां इसने 23.4 करोड़ रुपये की भारी कमाई की। हिंदी संस्करण ने स्पष्ट रूप से बढ़त हासिल की है, जिसने अब तक के कलेक्शन में सबसे बड़ा योगदान दिया है, जिसने अकेले 90 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। फिल्म के दूसरे सप्ताहांत के प्रदर्शन ने

इसे ब्लॉकबस्टर बनने का मार्ग प्रशस्त किया, और नौवें दिन (दूसरे शनिवार) इसकी कमाई बढ़कर 15.4 करोड़ रुपये हो गई, जो शुक्रवार की संख्या से दोगुनी थी। फिल्म का निर्देशन अश्विन कुमार ने किया है और जयपूर्णा दास, अश्विन कुमार और रुद्र प्रताप घोष ने इसे लिखा है। महावतार नरसिम्हा में आदित्य राज शर्मा, हरिप्रिया मट्टा और प्रियंका भंडारी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जिसमें पौराणिक कथाओं और एक्शन का मिश्रण है। धीमी शुरुआत के बावजूद, फिल्म ने लोगों की प्रशंसा के कारण गति पकड़ी और उम्मीद है कि यह और भी ज़्यादा कमाई करेगी। अपने प्रभावशाली बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और ज़बरदस्त मौखिक प्रशंसा के साथ, महावतार नरसिम्हा एक बड़ी हिट साबित हो रही है। वहीं विजय देवरकोंडा की एक्शन-ड्रामा फिल्म किंगडम ने अपने पांचवें दिन लगभग 2.25 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिससे पाँच दिनों के बाद इसका कुल भारतीय शुद्ध संग्रह अनुमानित 43.15 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म के शुरुआती सप्ताहांत के आंकड़े प्रभावशाली रहे, पहले दिन 3 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 7.5 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 8 करोड़ रुपये, चौथे दिन 7.4 करोड़ रुपये और पाँचवें दिन 2.25 करोड़ रुपये की कमाई हुई। फिल्म ने दुनिया भर में 90 करोड़ रुपये की कमाई को पार कर लिया है।

Government is avoiding discussion on SIR in Parliament: Gaurav Gogoi

New Delhi, In the monsoon session of Parliament, the opposition India Block created a huge ruckus over the Special Intensive Revision (SIR) of the voter list in Bihar. The opposition alleges that this amendment is a conspiracy to deprive voters, especially Dalits, backward classes and poor communities, of their right to vote ahead of the upcoming Bihar assembly elections. Meanwhile, Congress MP and Deputy Leader in Lok Sabha Gaurav Gogoi said that the government is avoiding discussion in Parliament on this issue, which raises questions on the transparency of democracy and the impartiality of the Election

Commission. While talking to IANS on Wednesday, Gaurav Gogoi asked what the government is trying to hide and what is the fear behind this silence. The country should be concerned that an elected government is avoiding discussion in Parliament on important issues like revision of voter list and voting process. Gogoi also raised doubts over the impartiality of the Election Commission and said that the opposition wants an open discussion on the issue so that common people can have clarity on their voting rights and polling booths. This is not a national security issue, so the government should not have any reason to avoid open discussion in the House. If the government does not allow this issue to be raised in Parliament, then where will people ask their questions? Congress MP Gaurav Gogoi demanded on behalf of the opposition that there should be a transparent and open discussion on this issue so that people's faith in the democratic process remains intact. Congress MP Imran Masood raised serious questions on the impartiality of the Election Commission regarding SIR. He said that if the Election Commission works arbitrarily and remains a puppet of the ruling party, then democracy will be in danger. To save democracy, there should be an open discussion on this issue in Parliament, which is the temple of democracy. Citing the system of checks and balances contained in the Constitution, he said that the Election Commission is becoming autocratic, which is dangerous for democratic values. He expressed particular concern about SIR in West Bengal and alleged that the Election Commission is intent on weakening democracy, which is extremely sad. Imran Masood said that the opposition is continuously registering objections against SIR outside the Parliament, but there is no hearing from the government and the Election Commission. He raised the question that if this issue is not discussed in the Parliament, then where will the public raise their objections and questions.

ED takes major action in cyber fraud case, raids 11 locations in Delhi, Gurugram and Dehradun

New Delhi, The Enforcement Directorate (ED) has taken a major action in the case of international cyber fraud. On Wednesday morning, the ED conducted searches at 11 places in Delhi-NCR and Uttarakhand's capital Dehradun. Cyber thugs had cheated many foreign and Indian citizens by posing as police or investigating officers. These raids are part of the ongoing investigation under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA) based on FIRs filed by the Central Bureau of Investigation (CBI) and Delhi Police. Apart from Delhi, the ED conducted raids in Noida and Gurugram on Wednesday morning. Initial investigation has revealed that fraudsters cheated Indian and foreign nationals by posing as officers of police or investigation agencies. These people were extorted a huge amount of money by threatening to arrest them. Apart from this, the accused also used to deceive people by posing as members of Microsoft or Amazon's technical support team and cheat them. The victims' money was converted into cryptocurrency and then transferred to the accused. Investigation has revealed that the accused had deposited an amount of about Rs 260 crore in the form of bitcoins in different crypto wallets. These bitcoins were later converted into USDT (crypto token) and cash. This entire transaction was done through UAE-based hawala operators and other means. At present, the investigation of the case is going on from the side of ED and the persons involved in these economic crimes are being identified and legal action is being taken.

Supreme Court gives relief to Elvish Yadav, stays trial court proceedings in snake venom case

New Delhi, YouTuber and social media influencer Elvish Yadav has got relief from the Supreme Court. The court has stayed the trial court proceedings going on against him in the controversial case related to snake venom. Elvish Yadav had challenged the charge sheet and criminal proceedings in his petition. The Supreme Court issued notice to the UP government and the complainant on his petition. Let us tell you that earlier, Elvish Yadav had got a setback from the Allahabad High Court. The High Court had rejected his petition challenging the charge sheet of the FIR registered for displaying snakes in a

rave party and making a video of it. After this, the CJM court of Ghaziabad had issued summons against Elvish Yadav. It is worth noting that a case has been registered against Elvish Yadav in Sector-49 police station of Gautam Buddha Nagar, Noida under the Wildlife Protection Act and other serious sections. It is alleged that he displayed snakes in the rave party and and misused snakes and snake venom to make videos through it. The chargesheet also states that he invited foreign nationals to rave parties and and made them consume snake venom and other intoxicants. Ghaziabad's Additional Chief Judicial Magistrate (First) had taken cognizance of the charge sheet in this case and issued summons, against which Elvish Yadav filed a petition in the High Court but he did not get relief. Now the relief received from the Supreme Court has given a new turn to this case. Born on 14 September 1997 in Gurugram, Haryana, Elvish Yadav opened his YouTube channel in 2016 and soon made his place on social media. Elvish has two channels on YouTube - Elvish Yadav and Elvish Yadav Vlogs, on which he posts funny videos and roasting videos. Due to his Haryanvi dialect and different style, he has made a special identity on social media.

Seed Production Program at KVK, Piprakothi

RAKESH KUMAR@BNM

MOTIHARI / PIPRAKOTHI : As part of ongoing scientific crop management practices, top dressing of fertilizers was carried out in the Direct Seeded Rice (DSR) field at Krishi Vigyan Kendra (KVK), Piprakothi. The field is being cultivated under the Seed Production Program to ensure the availability of certified, high-quality paddy seeds for the farming community in the region. This activity marks a crucial agronomic stage in the crop cycle. Top dressing, which involves the application of nitrogen-based fertilizers during the tillering and active growth stages of the paddy crop, is essential for optimal nutrient uptake, vigorous growth, and higher productivity. In DSR systems—where rice is directly sown into the field without prior transplantation—timely nutrient management is even more vital due to the absence of nursery-based establishment advantages. The paddy crop being raised at KVK Piprakothi is under strict supervision for seed purity, health, and compliance with certification standards. Scientists and technical staff of the KVK monitored the top dressing process, ensuring the correct dosage, uniform application, and adherence to eco-friendly and crop-specific recommendations. KVK officials highlighted that such scientifically managed seed production plots not only support the institutional goal of producing breeder and foundation seeds but also serve as demonstration models for nearby farmers. These plots help in educating farmers on best practices in DSR technology, efficient fertilizer use, and sustainable cultivation techniques. The initiative is in line with the broader mission of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) and Bihar Agricultural University to enhance farmer income through improved technologies, quality input production, and farmer-centric training.

Monsoon havoc: Cloud burst in Himachal's Kinnaur, Kailash Yatra put on hold: ITBP rescues 413 pilgrims via zipline

Himachal, Himachal Pradesh has once again fallen prey to the fury of nature. Due to a cloudburst in Tangling village of Kinnaur district on Wednesday, a flood of debris and rocks suddenly flowed down from the mountains. Horrifying scenes were captured on camera, in which the hill was seen breaking and falling on the road with a loud noise. There was chaos in the entire area. The biggest impact of this natural disaster has been on the Kailash Mansarovar Yatra. The Yatra has been stopped immediately due to two big bridges being washed away and the road being destroyed.

Many devotees remained stranded at different places. However, the Indo-Tibetan Border Police (ITBP) displayed courage and promptness and rescued 413 pilgrims safely using zipline technology. Relief operations are continuing. Cloud burst in Raldang ravine also, 40 stopped Cloudburst also caused heavy flooding in Raldang Khad near Ribba village in Kinnaur and a large part of National Highway-5 was covered with mud and debris. Huge boulders have accumulated in about 150 meters of the highway, due to which traffic is completely blocked. Fortunately, no casualties have been reported so far. 500+ roads closed across the state, schools closed Monsoon rains have wreaked havoc in the state. Traffic has come to a standstill on more than 500 roads including the Chandigarh-Manali highway due to landslides in Shimla, Mandi, Solan and Kullu districts. As a precautionary measure, holiday has been declared in schools in many districts. The situation in Uttarakhand is also worrying On the other hand, the rain fury continues in Uttarakhand. Four people died due to cloudburst in Dharali village on Tuesday, while more than 50 people are reported missing. The Badrinath highway has been closed due to landslide in Karnaprayag, and rail operations have also been affected due to rock fall on Haridwar-Dehradun railway route. Administration and relief agencies on alert mode In both Himachal and Uttarakhand, teams of the IAS, SSI and the Army are engaged in relief and rescue operations. The Meteorological Department has issued a warning of heavy rain and landslides for the next 48 hours. The administration has appealed to people to avoid unnecessary travel in hilly areas.

Tragic accident: Car falls into Pabbar river in Rohru, Shimla, 3 youths die, one injured

Shimla, Three youths died and one youth was injured in a tragic road accident in Rohru subdivision of Shimla district last night. This accident happened when the four youths were returning from the local Laila fair in a car. The car went out of control and fell into the Pabbar river. In the accident, Vishal Thakur (village Munchhara), Abhay Khandiyan (village Dakgaon), and Himanshu (village Munchhara) died on the spot. While Harsh Chauhan (village Dogri Munchhara) was thrown out of the car and suffered minor injuries. According to the police, the accident

happened around 12 o'clock at night, but the police got information about it around 3 o'clock in the night. As soon as the information was received, the police reached the spot and a rescue operation was launched. The bodies of the three deceased have been taken out of the river and sent to Rohru Hospital, where after postmortem they will be handed over to the relatives. SHO Rohru Praveen Rana said that the reason for the accident is not yet known. In the initial investigation, careless driving or darkness on the road could be the reason. Police have registered a case and started investigation. All the four accident victims are said to be residents of Chidgaon area.

Sanjay Raut expressed grief over the Uttarkashi tragedy, said- the government will have to pay special attention to the hill states

Mumbai, Shiv Sena (UBT) MP Sanjay Raut on Wednesday expressed concern over the cloudburst incident in Uttarakhand. He said that tourists from all over the country visit hilly states. People come to pilgrimage sites like Vaishno Devi, Amarnath, Kedarnath, so the government should pay special attention to states like Uttarakhand, Himachal. Addressing a press conference, he said that hundreds of tourists and people from Maharashtra are trapped in hilly areas due to floods, due to which the whole country is worried. He demanded that strong arrangements have to be

made in these areas so that the safety of tourists can be ensured. Also, Sanjay Raut also targeted the statements of US President Donald Trump and said that Trump did not call India a good partner for trade, while Prime Minister Narendra Modi claims that India is going to become the third largest economy in the world. Trump is saying that India is not a good trade partner, so how will such a big economy be created without trade? Is Trump calling PM Modi a liar? Trump is repeatedly insulting the PM, due to which an atmosphere has been created against Prime Minister Modi in the world. The Prime Minister Modi should understand all this. Apart from this, Sanjay Raut also talked about the India Block meeting and said that in this meeting of the alliance after a long time, many issues will be discussed like the current situation of the country, the truth of PM Modi's claims, Operation Sindoor and Bihar elections. He said that the purpose of the meeting is to meet each other and discuss the issues so that unity is maintained. However, he questioned the role of Aam Aadmi Party (AAP). With AAP being in power in Punjab against Congress, there are signs that all is not well in the alliance between the two parties.

Betting app promotion case: Actor Vijay Deverakonda appeared before ED

Hyderabad, Actor Vijay Deverakonda appeared before the Enforcement Directorate (ED) on Wednesday in connection with the betting app promotion case. He reached the ED office in Bashirbagh, Hyderabad at around 11 am. The ED may question Vijay about his agreement with betting apps and the payment received for promotion. Vijay is the second actor to appear before the ED in this case. Earlier, on July 30, actor Prakash Raj was questioned for five hours. Prakash Raj said that he had done an advertisement for a betting app in the year 2016, but he did not take any payment for it. He said that he later realized that he should not have done this advertisement. The ED recently issued summons to actors Rana Daggubati, Prakash Raj, Vijay Deverakonda and Lakshmi Manchu in the case. Rana Daggubati was asked to

appear on July 23, but he asked for a new date. After this, a new notice was issued to him to appear on August 11. At the same time, Lakshmi Manchu has been asked to appear before the ED on August 13. On July 10, the ED registered a case against 29 celebrities, including actors, influencers and YouTubers, for promoting illegal betting apps. The action has been taken under the violation of the Public Gambling Act, 1867 and apprehension of money laundering. The investigation is underway under the Prevention of Money Laundering Act and is based on five FIRs registered in Telangana and Andhra Pradesh. The case also includes the names of Vijay Deverakonda, Rana Daggubati, Prakash Raj, Nidhi Agarwal, Pranitha Subhash, Lakshmi Manchu, Ananya Nagella as well as TV actors Sreemukhi, Shyamala, Varshini Soundarjan, Vasantha Krishnan, Shobha Shetty, Amrita Chowdhary, Nayani Pawani, Neha Pathan, Pandu, Padmavati, Harsha Sai and Bayya Sunny Yadav. Cases have already been registered against most of them by Hyderabad and Cyberabad police. In March 2025, Cyberabad police registered an FIR against Vijay Deverakonda, Rana Daggubati, Prakash Raj and others for promoting betting apps. Trump and Rana had stated that they had only promoted legally permitted online skill-based games.